राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 298 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये दुर्ग, शुक्रवार 05 सितंबर 2025 www.samaydarshan.in

करमा तिहार के रंग में डूबा मुख्यमंत्री निवास

संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत बनाए रखना न केवल हमारी जिम्मेदारी बल्कि नैतिक कर्तव्य भी - मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री करमा तिहार 2025 कार्यक्रम में हुए शामिल, करमा दलों को सम्मानित कर किया प्रोत्साहित

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास, नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ आदिवासी कंवर समाज युवा प्रभाग रायपुर द्वारा आयोजित प्रकृति पर्व भादो एकादशी व्रत - 2025 करमा तिहार कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक विधान से पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति हमारे पूर्वजों की अमूल्य धरोहर है। इस संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत बनाए रखना न केवल हमारी जिम्मेदारी, बल्कि नैतिक कर्तव्य भी है। ऐसे पर्व और परंपराएँ समाज को एकजुट होने का अवसर देती हैं, जिससे स्नेह, सद्भाव एवं सौहार्द की भावना विकसित होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि कंवर समाज के युवाओं द्वारा राजधानी रायपुर में करमा तिहार का आयोजन किया जा रहा है। हमारी आदिवासी संस्कृति में अनेक प्रकार के करमा तिहार मनाए जाते हैं। आज एकादशी का करमा तिहार है, जो हमारी कुंवारी बेटियों का पर्व है। इस करमा तिहार का उद्देश्य है कि हमारी बेटियों को उत्तम वर और उत्तम गृहस्थ जीवन मिले। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर बेटियाँ अच्छे वर और अच्छे घर की कामना करती हैं। इसके बाद दशहरा करमा का पर्व आता है, जिसमें विवाह के पश्चात पहली बार जब बेटी मायके आती है, तो वह उपवास रखकर विजयादशमी का पर्व मनाती है। इसी प्रकार जियुत पुत्रिका करमा मनाया जाता है, जिसमें माताएँ पुत्र-पुत्रियों के दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं। यह एक कठिन व्रत होता है, जिसमें माताएँ चौबीस घंटे तक बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास करती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यदि छत्तीसगढ़ की बात करें तो यहां अंग्रेजों के विरुद्ध 12 आदिवासी क्रांतियाँ हुईं। हमारी सरकार नया रायपुर स्थित ट्राइबल म्यूजियम में आदिवासी संस्कृति के महानायकों की छवि को आमजन की जागरूकता के लिए प्रदर्शित करने मॉडल के रूप में उकेरा जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया जा रहा है। उनके करकमलों से इस म्यूजियम का शुभारंभ किया जाएगा।

हितग्राहियों को शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ मिल रहा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी समाज के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देती रही है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने आजादी के लगभग 40 वर्षों बाद आदिवासी विभाग का पृथक मंत्रालय बनाकर आदिवासी समाज के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हीं के बताए मार्ग पर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी समाज के बेहतरी एवं समग्र विकास के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं विशेष पिछड़ी जनजाति समाज के लिए पीएम जनमन योजना का संचालन कर रहे हैं, जिससे हितग्राहियों को शत-प्रतिशत योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में 15 वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे डॉ. रमन सिंह ने बस्तर, सरगुजा एवं मध्य क्षेत्र प्राधिकरण का गठन कर विकास को गति प्रदान करने का कार्य किया।

हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई से आई आपदाएं', कोर्ट की 'सुप्रीम' टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में बाढ़ और बारिश से संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बारिश और बाढ़ पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि पहाड़ियों में पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ के पानी में पहाड़ियों से बहकर आई बड़ी संख्या में लकड़ियों के लट्ठों के वीडियो का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्यों में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ पर संज्ञान लिया। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार, एनडीएमए और अन्य को नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदाएं आई हैं। कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसमें

पेड़ों की अवैध कटाई को ऐसी आपदाओं का एक प्रमुख कारण बताया गया था।

हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और पंजाब की सरकारों को भी नोटिस

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और पंजाब की सरकारों को भी नोटिस जारी किए। पीठ ने अनामिका राणा की ओर से दायर याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'हमने उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ देखी है। मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि बाढ़ में भारी मात्रा में लकड़ी बहकर आई। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। इसलिए प्रतिवादियों को नोटिस जारी करें। दो सप्ताह में जवाब दें।'

पीठ ने याचिकाकर्ता अनामिका राणा की ओर से पेश अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ और शुभम उपाध्याय को केंद्रीय एजेंसी को नोटिस और याचिका की प्रति देने की अनुमति दे दी।

रोटी, पराठा, दूध, हेल्थ-लाइफ इंश्योरेंस टैक्स फ्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब त्स्ज्ञ के 4 की जगह केवल दो स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत होंगे। इससे आम जरूरत की चीजें जैसे साबुन, शैंपू के साथ एसी, कार भी सस्ते होंगे। त्स्ज्ञ काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने बताया कि दूध, रोटी, पराठा, छेना समेत कई फूड आइटम जीएसटी फ्री होंगे। वहीं इंडिविजुअल हेल्थ और लाइफइंश्योरेंस पर भी टैक्स नहीं लगेगा। 33 जीवन रक्षक दवाएं, दुर्लभ बीमारियों और गंभीर बीमारियों के लिए दवाएं भी टैक्स फ्री होंगी। लग्जरी आइटम्स और तंबाकू प्रोडक्ट्स पर अब 28 प्रतिशत की जगह 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। मध्यम और बड़ी कारें, 350सीसी से ज्यादा इंजन वाली मोटरसाइकिलें इस स्लैब में आएंगे। वित्त मंत्री ने बताया कि नए स्लैब नवरात्रि के पहले दिन, यानी 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। हालांकि, तंबाकू वाले सामान पर नई 40 प्रतिशत जीएसटी दर अभी लागू नहीं होगी। इन बदलावों का मकसद आम आदमी को राहत देना, छोटे व्यवसायों को सपोर्ट करना और हानिकारक उत्पादों जैसे तंबाकू पर टैक्स बढ़ाकर उनके उपयोग को कम करना है। होटल के कमरों की बुकिंग पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, वो भी तब जब कमरे का किराया प्रति दिन 7500 रुपए या उससे कम हो। सौंदर्य और सेहत से जुड़ी सेवाओं पर जीएसटी 18 प्रतिशत से कम करके 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

Government of India

Ministry of Road Transport and Highways

संबंधित व्यक्ति विवरण परिवहन वेबसाइट https://parivahan.gov.in/ पर देख सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया ईमेल करें - आईडी: helpdesk-vahan[at]gov[dot]in and helpdesk-sarathi[at]gov[dot]in

CBC 37101/13/0010/2526

CBC 37101/13/0010/2526

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल के हाथों पुरस्कृत होंगी मधुलिका दुबे

बम्हनीडीह /समय दर्शन /। ग्राम बिर्रा निवासी एवं मनरेगा शाखा बम्हनीडीह में तकनीकी सहायक के पद पर पदस्थ मनोज दुबे की धर्मपत्नी मधुलिका दुबे को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु राज्यपाल सम्मान से नवाजा जाएगा। मधुलिका दुबे वर्तमान में कोरबा जिले के शासकीय माध्यमिक शाला जमनीपाली में शिक्षिका के पद पर पदस्थ हैं। विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उनके योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जा रहा है। आज रायपुर स्थित राजभवन में आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल रमेन डेका उनके हाथों यह सम्मान प्रदान करेंगे। इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। ग्रामीणों, सहकर्मियों और परिजनों ने मधुलिका दुबे को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

नवागढ़ के नेहरू कॉलेज में भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मान समारोह 11 सितंबर को किया जायेगा

जांजगीर नवागढ़ /समय दर्शन /छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के रजत जयंती पर तथा पं. जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, नवागढ़ के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर महाविद्यालय द्वारा आगामी 11/08/25 को भूतपूर्व विद्यार्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थी एक साथ मिलकर पुराने सुनहरे पलों को साझा करेंगे तथा संस्थान व अध्ययनरत विद्यार्थियों के प्रगति पर अपने सुझाव व अनुभव प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य महाविद्यालय और इसके पूर्व विद्यार्थियों के बीच संबंधों को और सुदृढ़ बनाना है। भूतपूर्व विद्यार्थियों का अनुभव वर्तमान विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा। सभी पूर्व छात्र जिन तक यह सूचना पहुंचती है वे 9981348927 पर मिस कॉल करके पंजीयन लिंक प्राप्त करें और 11 तारीख को सुबह 11 बजे महाविद्यालय में अवश्य उपस्थित होकर पुराने दिनों की याद ताजा करें। यह जानकारी प्राचार्य शर्मा जी के निर्देशन में पूर्व छात्र समन्वयक प्रीति देवांगन ने प्रदान की।

मोहम्मद साहब के पंद्रह सौवा वर्ष पर मुस्लिम समाज का जुलुस आज

जांजगीर चांपा / समय दर्शन //इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के पंद्रह सौंवा पैदाइश दिवस आज 5 सितंबर शुक्रवार को उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए मुस्लिम जमात नैला के कार्यकारी अध्यक्ष रफीक सिद्धिकी ने बताया कि आज 5 सितंबर शुक्रवार को प्रातः 9 बजे नैला मस्जिद के पास से मोटर साइकिल रैली (जुलुस) निकलेगी जो शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुरानी बस्ती नैला में समाप्त होगी । इसी तरह दोपहर शुक्रवार नमाज के बाद मस्जिदों में परचम कुसाई (ध्वजारोहण) किया जाएगा और दोपहर 3 बजे नैला मस्जिद के पास से पैदल जुलूस आरंभ होगी जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नैला मस्जिद के पास शीरनी (प्रसाद) वितरण के साथ समाप्त होगी । आयोजित कार्यक्रमों में तय वक्त पर जमात के लोगों से भाग लेने की अपील हाजी अहमद सलाम खान सदर ने की है ।

नगर सैनिक भर्ती परीक्षा: दस्तावेज़ सत्यापन 10 सितम्बर तक

मुंगेली(समय दर्शन)नगर सेना, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीआरएफ मुख्यालय रायपुर द्वारा नगर सैनिक भर्ती प्रक्रिया में चयनित अभ्यर्थियों का दस्तावेज़ सत्यापन 10 सितंबर तक जिला सेनानी कार्यालय में किया जा रहा है। चयनित अभ्यर्थी जिला कार्यालय में उपस्थित होकर मूल दस्तावेज़ों के साथ दो स्वप्रमाणित प्रतियां एवं तीन नवीनतम पासपोर्ट साइज रंगीन फेटो के साथ उपस्थित होना होगा। जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 हजार 715 महिला नगर सैनिकों की छात्रावास ड्यूटी एवं 500 महिला एवं पुरुष नगर सैनिकों की सामान्य ड्यूटी हेतु हुई भर्ती का परिणाम 08 अगस्त 2025 को जारी किया गया था।

खरीफका आधा सीजन बीत जाने के बाद भी यूरिया संकट बरकरार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले के किसानों के लिए खरीफ सीजन का आधा समय बीत जाने के बावजूद भी यूरिया की किल्लत दूर नहीं हो पा रही है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष भूपेश तिवारी ने किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा और तत्काल यूरिया की कमी दूर करने की मांग की।

भूपेश तिवारी ने ज्ञापन में कहा कि खरीफका यह समय किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। बारिश के मौसम में धान सहित अन्य खरीफ फसलों की बढ़त और उत्पादन यूरिया पर काफी हद तक निर्भर करता है। बावजूद इसके, प्रदेश में यूरिया की भारी कमी बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि विभाग इस संकट से निपटने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बना पाया है।

उन्होंने आगे कहा कि आधा सीजन बीत चुका है, मगर किसानों को जरूरत के हिसाब से मात्र आधी मात्रा में ही यूरिया उपलब्ध हो पा रही है। इस वजह से किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए परेशान हैं। कई जगहों पर निराश होकर किसानों ने आत्महत्या की कोशिश तक की है। वहीं, खुलेआम कालाबाजारी और मुनाफाखोरी भी बढ़ती जा रही है, जिससे हालात और गंभीर होते जा रहे हैं। भूपेश तिवारी ने मांग की कि शासन-प्रशासन तत्काल ठोस कदम उठाकर जिले और प्रदेशभर में यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करे। उन्होंने कृषि मंत्री और जिम्मेदार विभागों से कहा कि किसानों की बदहाल स्थिति को देखते हुए जिम्मेदारी से काम करें और इस संकट को दूर करने में तत्परता दिखाएं।

इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ सदस्य कमलेश स्वर्णकार ने भी प्रदेश सरकार को किसान विरोधी बताते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता ने सरकार को बहुमत देकर सत्ता सौंपी थी, लेकिन यह सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान में विफल रही है। स्वर्णकार ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों और आम जनता को राहत देने के बजाय शराब बिक्री पर ध्यान दे रही है और अपनी तिजोरी भरने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि यह सरकार अब जनता की उम्मीदों पर खरी उतरने के बजाय छलावा करने वाली सरकार बन गई है।

इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से प्रभांशु खोब्रागढ़े, राजेन्द्र सोनी, सर्वजीत सिंह भाटिया, अशोक चौबे, आरिफखान, ऋषि मिश्रा और राजीव यादव शामिल थे। सभी ने एक सुर में मांग की कि किसानों के हित में तुरंत ठोस कदम उठाए जाएं, अन्यथा आम आदमी पार्टी किसानों के साथ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

रक्तदान का कार्य महान कार्य - एसपी पाण्डेय

नैला सरायखाना में हुआ रक्तदान शिविर

जांजगीर चांपा / समय दर्शन / नैला सरायखाना में मुस्लिम जमात नैला की तरफसे पैगंबर मोहम्मद साहब पैदाइश के मौके पर सभी के लिए निःशुल्क हेल्थ चेकअप और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें डाक्टर संगम लाल,डाक्टर लोकेंद्र कश्यप (एम डी) हृदय रोग विशेषज्ञ, डाक्टर अतीक सिद्दीकी (एम डी) ,डाक्टर गुलाफ्शा सिद्दीकी एम बी बी एस महिला रोग विशेषज्ञ,डाक्टर वसुंधरा कश्यप दंत रोग चिकित्सक ने अपनी सेवाएं दी।

इसमें शारीरिक चेकअप,आंख का चेकअप के साथ साथ दवा भी सब निःशुल्क दी गई। सभी मेडिकल स्टाफ जिसने एम एल साहू, कमल,पवन साहू,सुनील खूंटे, साहब लाल दिवाकर ,राकेश यादव,ऋषि कश्यप, जगदेव चंद्रा,भूमि कश्यप, दीक्षा,मधुबाला और नेत्र जांच के लिए जानू चश्मा घर के द्वारा मशीन उपलब्ध करवाई गई ,चेकअप के लिए सुयोग राठौर,अमित राठौर, सूर्या राठौर आदि उपस्थित थे । समाज के सदर हाजी अब्दुल सलाम अहमद,जनाब रफीक खान,राजू सिद्दकी,अरमान खान(पार्षद)सईद खान, कय्यूम खान,फरीद खान, जलाल खान,राजा खान, इब्बू खान, राज आदि ने भरपूर सहयोग दिया। एस पी विजय कुमार पाण्डेय जांजगीर के द्वारा रक्तदान किए हुए लोगों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया साथ ही सेवा देने वाले चिकित्सकों का भी सम्मान किया गया। उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान का कार्य एक महान कार्य है , ये रक्त किसी जरूरतमंद को लगेगा जो किसी भी धर्म का हो रक्तदान करने वाला किसी विशेष धर्म या जाति के लिए नहीं करता है ।माइक संचालन करते हुए जनाब रफीक सिद्दीकी ने कहा कि हमने मुस्लिम समाज में एक अभियान चलाया है ,, कलम का लंगर,, समाज के सभी लोग एक रोटी कम खाएं लेकिन अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा जरूर दें । कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उदयन बिहार , नैला चौकी प्रभारी श्री जाटवर जी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में 23 नवयुवकों ने रक्तदान किया और 157 लोगों ने अपना स्वास्थ्य का चेकअप करवाया और दवा भी प्राप्त किया। इस अवसर पर पारस शर्मा वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक,जनाब बेलाल खान,ताहिर बाबा खान आदि भी उपस्थित थे।

क्यूआर कोड से मनरेगा कार्यों की निगरानी के साथ 03 वर्षों के कार्यों की मिलेगी जानकारी

मुंगेली(समय दर्शन) महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कार्यों में पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन मुंगेली ने नई पहल की है। जिले की सभी 367 ग्राम पंचायत भवनों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर विशेष क्यूआर कोड लगाए जा रहे हैं।

न क्यूआर कोड्स को किसी भी आमजन द्वारा अपने मोबाइल से स्कैन करने पर संबंधित ग्राम पंचायत में पिछले 03 वर्षों में हुए मनरेगा कार्यों की पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। इसमें स्वीकृत कार्यों की संख्या, पूरा हुए कार्य, जारी भुगतान की स्थिति और भौतिक प्रगति जैसी अहम जानकारियाँ उपलब्ध होंगी। पारदर्शिता और जवाबदेही की ओर कदम क्यूआर कोड व्यवस्था से ग्रामीण अब सीधे मनरेगा कार्यों की प्रगति देख पाएंगे। इससे अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय होगी और कार्यों में पारदर्शिता आएगी। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कार्यों में पारदर्शिता और जनभागीदारी के लिए आयुक्त मनरेगा के द्वारा दिए गये निर्देश में क्यूआर कोड लगाये जाने की शुरुवात किया गया है जिसके तहत जिले के 367 ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में क्यूआर कोड लगाये जा चुके है. इस पहल ग्रामीणों को उनके अधिकारों की जानकारी देने और योजनाओं में उनकी सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए की गई है। जो राज्य सरकार की ''पारदर्शी शासन-जनभागीदारी'' की सोच को आगे बढ़ाता है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों के ग्राम पंचायत अथवा शासकीय भवनों में क्यूआर कोड्स लगवाए जा रहे हैं, इन क्यूआर कोड्स को मोबाइल से स्कैन करके एक क्लिक में मनरेगा कार्यों की 03 वर्षों की जानकारी स्वीकृत और पूर्ण कार्यों की सूची, भुगतान की स्थिति, पंचायत के विकास कार्यों का जानकारी ग्रामीण ले सकेंगे। इस पहल से न केवल कार्यों की निगरानी आसान होगी, बल्कि ग्रामीण अपने पंचायत में हुए विकास कार्यों से अवगत रहेंगे और किसी भी गड़बड़ी की सूचना भी सीधे जिला प्रशासन तक पहुँचा सकेंगे।

गणपति सेवा पंडाल में हुआ वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के पास इलाके लक्ष्मी नगर कॉलोनी में गणेश उत्सव पूरे धूमधाम से मनाया जा रहा है। समाज से जुड़े हर वर्ग के लोगों को गणेश उत्सव से जोड़ने के लिए कालोनी निवासी लगातार रोज नए आयोजन कर रहे हैं। गणपति बप्पा की स्थापना के दिन से ही रोजाना संध्या आरती के बाद समाज को एक सूत्र में जोड़े रखने के लिए नित्य नए आयोजन कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार लक्ष्मी नगर कॉलोनी गणेश उत्सव समिति ने समाज को एक सूत्र में पिरोकर रखने के लिए गणेश पंडाल में रोजाना संध्या आरती के बाद एक अलग आयोजन कर रहे हैं। इनमें पहला दिन आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के लोगों को भक्ति की धुन में अपनी आवाज लोगों तक पहुंचाने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। इस मंच के माध्यम से समाज के हर तबके को गणेश उत्सव से जोड़ने की कोशिश की गई। आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और भक्ति रस में डूबे हुए गीत संगीत आनंद लिया।

वरिष्ठ नागरिकों का हुआ सम्मान- आयोजन की श्रृंखला में दूसरे दिन शहर के वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। इस कड़ी में शहर के वरिष्ठ नागरिक श्रीमती लव शुक्ला, श्रीमती आशा झा, अनिल मिश्रा, श्रीमती पुष्पा बवेजा, श्री ग्वालू, श्रीमती रामबाई साहू, श्रीमती शशि ठाकुर, श्रीमती सरस्वती बक्शी, श्रीमती आशा मांझेवर, श्रीमती रुक्मणी साहू, बीआर साहू सहित अन्य का सम्मान किया गया है।

भजन संध्या में झूमे कॉलोनी वासी - मंगलवार को भजन संध्या के आयोजन किया गया। इस आयोजन में भजन में रुचि रखने वाले लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके साथ ही गोंदिया से आई भजन संध्या की टीम ने भी अपनी जोरदार प्रस्तुति दी, जिसे सुनकर कॉलोनी के निवासी मंत्र मुक्त हो गए। गणेश उत्सव के इस आयोजन में छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा के संजय बहादुर सिंह, राजेंद्र गजभिये, प्रतिमा साहू, सपना साहू, सुंदर शुक्ला, लोमेश साहू, अमित झा, प्रकाश शुक्ला, मनीष मेजरवार का विशेष सहयोग रहा।

गणेश पंडाल समितियों और गरबा आयोजकों से विहिप-बजरंग दल की अपील

राजनांदगांव (समय दर्शन)। गणेश उत्सव और आगामी नवरात्रि पर्व को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने शहर की समस्त गणेश पंडाल समितियों और गरबा आयोजकों से अपील की है कि धार्मिक आयोजनों को सनातन परंपराओं के अनुरूप संपन्न कराया जाए।

विहिप शहर अध्यक्ष शिव वर्मा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित तिथि और मुहूर्त पर ही किया जाएए और इस दौरान मदिरापान, अभद्रता या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

वर्मा ने कहा कि सभी गणेश पंडाल समितियों से संपर्क कर डेटा संकलन किया जा रहा है, जिनका उचित सम्मान किया जाएगा। हालांकि, यदि किसी समिति द्वारा नियमों का उल्लंघन किया गया तो संगठन को कार्यवाही करने पर भी विवश होना पड़ सकता है।

विहिप ने डीजे संचालकों से विशेष आग्रह किया है कि गणेश उत्सव के दौरान केवल भक्ति गीत और गणेश वंदना ही बजाई जाए। कार्यक्रमों में फिल्मी या अश्लील गानों से पूरी तरह परहेज किया जाए, जिससे धार्मिक वातावरण की पवित्रता बनी रहे।

विहिप शहर मंत्री अंकित खंडेलवाल ने कहा कि आने वाले गरबा उत्सव को लेकर भी समितियों को अभी से सचेत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि देवी-देवताओं के रूप में नृत्य प्रदर्शन, संस्कृति के विरुद्ध कार्य और अभद्रता का संगठन घोर विरोध करता है और ऐसी गतिविधियों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

प्रेस नोट में यह भी कहा गया है कि गरबा पंडालों में प्रवेश के समय तिलक लगाना और कलावा बांधना अनिवार्य किया जाए। आयोजकों को सुझाव दिया गया है कि पंडाल के प्रवेश द्वार पर सेनेटाइजर मशीन में गंगाजल भरकर सभी आगंतुकों पर छिड़काव किया जाए, जिससे माता की आराधना पूर्ण पवित्रता के साथ संपन्न हो सके।

उक्त प्रेस विज्ञप्ति विहिप शहर उपाध्यक्ष योगेश मुदलियार द्वारा साझा की गई।

नशाबंदी के नाम पर आर्थिक दण्ड व सामुहिक बहिष्कार हौआ या हकीकत

पीड़िता ने लगाया सरपंच पर गंभीर आरोप, सामाजिक बहिष्कार से जूझ रही महिला

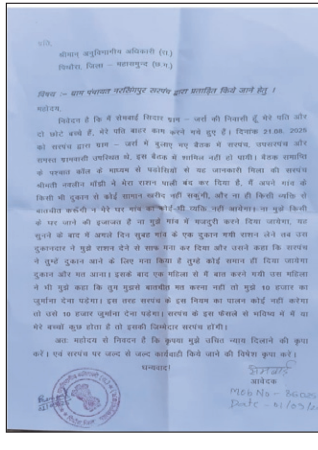

प्रति,
श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पिथौरा, जिला – महासमुन्द (छ.ग.)

विषय :– ग्राम पंचायत नरसिंगपुर सरपंच द्वारा प्रताड़ित किये जाने हेतु ।

महोदय,

निवेदन है कि मैं सेमबाई सिदार ग्राम – जर्रा की निवासी हूँ मेरे पति और दो छोटे बच्चे हैं, मेरे पति बाहर काम करने गये हुए हैं। दिनांक 21.08.2025 को सरपंच द्वारा ग्राम – जर्रा में बुलाए गए बैठक में सरपंच, उपसरपंच और समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे, इस बैठक में शामिल नहीं हो पायी। बैठक समाप्ति के पश्चात कॉल के माध्यम से पड़ोसियों से यह जानकारी मिला की सरपंच श्रीमती नवलीन माँझी ने मेरा राशन पानी बंद कर दिया है, मैं अपने गांव के किसी भी दुकान से कोई सामान खरीद नहीं सकूंगी, और ना ही किसी व्यक्ति से बातचीत करूँगी न मेरे घर गांव का कोई भी व्यक्ति नहीं आयेगा। ना मुझे किसी के घर जाने की इजाजत है ना मुझे गांव में मजदुरी करने दिया जायेगा, यह सुनने के बाद मैं अगले दिन सुबह गांव के एक दुकान गयी राशन लेने तब उस दुकानदार ने मुझे राशन देने से साफ मना कर दिया और उसने कहा कि सरपंच ने तुम्हें दुकान आने के लिए मना किया है तुम्हें कोई समान नहीं दिया जायेगा दुकान और मत आना। इसके बाद एक महिला से मैं बात करने गयी उस महिला ने भी मुझे कहा कि तुम मुझसे बातचीत मत करना नहीं तो मुझे 10 हजार का जुर्माना देना पड़ेगा। इस तरह सरपंच के इस नियम का पालन कोई नहीं करेगा तो उसे 10 हजार जुर्माना देना पड़ेगा। सरपंच के इस फैसले से भविष्य में मैं या मेरे बच्चों कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदार सरपंच होगी।

अतः महोदय से निवेदन है कि कृपया मुझे उचित न्याय दिलाने की कृपा करें। एवं सरपंच पर जल्द से जल्द कार्यवाही किये जाने की विशेष कृपा करें।

धन्यवाद!

सेमबाई
आवेदक
Mob No – [illegible]
Date – [illegible]

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांर्गत के ग्राम ग्राम पंचायत नरसिंहपुर जर्रा पाथौरा ब्लिलाक का ग्रा है। यहाँ की निवासी सेमबाई सिदार पति चंद्रशेखर सिदार ने पंचायत सरपंच नवलीन मांझी पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता का कहना है कि बिना किसी गलती के उन्हें सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण उनका और बच्चों का जीवन संकट में है।

पारिवारिक हालात- सेमबाई सिदार अपने सात वर्षीय जुड़वा बच्चों के साथ अलग रहती हैं। उनका पति चेन्नई की एक फैक्ट्री में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। पीड़िता का कहना है कि उनके ससुर सुखीराम सिदार के घर से अवैध मदिरा बिक्री के संदेह में तलाशी ली गई थी, जिसमें केवल व्यक्तिगत सेवन हेतु शराब पाई गई। इसके बाद उन पर 51,000 का अर्थदंड लगाया गया। भुगतान करने में असमर्थता के चलते परिवार पर दबाव बनाया गया और अंततः जमीन गिरवी रखकर सरपंच को ?10,000 का भुगतान किया गया।

अतिरिक्त धन की मांग और बहिष्कार- सेमबाई ने आरोप लगाया कि 27 अगस्त को ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई, लेकिन उसके निर्णय की जानकारी उन्हें नहीं दी गई। इसके बाद सरपंच ने उनके ससुर से 10,000 लेने के बावजूद उनसे 5,000 की अतिरिक्त मांग की। आर्थिक तंगी के कारण यह राशि न दे पाने पर उनके पूरे परिवार को सामाजिक बहिष्कार का शिकार होना पड़ा।

उन्होंने बताया कि अब न तो ग्रामीण उनसे बातचीत कर रहे हैं और न ही राशन दुकान से उन्हें सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है,सार्वजनिक नल कूप में पानी तक लेने में मनाही कर दिया गया है ।

भावुक होकर सेमबाई ने कहा - यदि मेरे ससुर ने कोई गलती की है तो सजा उन्हें मिले। लेकिन मुझे और मेरे मासूम बच्चों को क्यों सजा दी जा रही है?

पति मजदूरी के लिए बाहर रहते हैं। मैं गरीब तबके की महिला हूं। मेरे साथ हो रहा यह व्यवहार अन्यायपूर्ण है। मुझे न्याय चाहिए।

प्रशासनिक उदासीनता - पीड़िता ने बताया कि उन्होंने मामले की शिकायत पिथौरा एसडीएम और बसना थाना में की है। संबंधित दस्तावेज़ भी दिखाए गए हैं, लेकिन शासन प्रशासन के द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, सरपंच का यह फैसला है कि जो भी व्यक्ति सेमबाई को काम देगा, राशन देगा या उससे बातचीत करेगा, उस पर ?10,000 का जुर्माना लगाया जाएगा।

सरपंच की चुप्पी शवालों के घेरे में- इस संबंध में जब मीडिया ने सरपंच नवलीन मांझी से कई बार मुलाकात और फेन पर संपर्क कर पक्ष जानना चाहा, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

रामकृष्ण केयर अस्पताल ने 5वें नेफ्रोक्रिटिकल केयर रिव्यू कोर्स के साथ प्रमुख और प्रमुख प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम आयोजित किया

रायपुर (समय दर्शन)। रामकृष्ण केयर अस्पताल ने नेफ्रोक्रिटिकल केयर सोसाइटी के सहयोग से रायपुर में 5वें नेफ्रोक्रिटिकल केयर रिव्यू कोर्स का सामूहिक आयोजन किया। इस दो विशेष साहित्यिक कार्यक्रम का उद्देश्य नेफ्रोक्रिटिकल केयर और डायलिसिस प्रबंधन में विशेष विशेषज्ञता को शामिल किया गया था, जिसमें चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए वर्चुअल रियलिटी (वास्तविकता) और ऑगमेंटेड रियलिटी (ऑगमेंटेड रियलिटी) के एकीकरण पर ध्यान दिया गया है - जो भारत में अपनी तरह की पहली पहल है।

साइकोलॉजी में किडनी - क्रॉस-टोक, अस्पष्टता और दंत चिकित्सा विषय पर आधारित इस पाठ्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय चिकित्सकों के एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल थे, जिसमें डॉ. संदीप दवे (चिकित्सा और प्रबंध निदेशक) डॉ. संजीव अनंत काले - नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. विशाल कुमार क्रिटिकल केयर एचओडी, डॉ. संतोष कुमार सिंह इमरजेंसी और ट्रॉमा एचओडी, डॉ. प्रवाश चौधरी नेफ्रोलॉजिस्ट, डॉ. अभिलाष कोराटाला (मेडिकल कॉलेज ऑफविस्कॉन्सिन, अमेरिका), डॉ. के. आर. रामानाथन (नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर), डॉ. वैलेंटाइन लोबो (केईएम अस्पताल, पुणे), डॉ. एम. रवि कृष्ण (केआईएमएस-आइकॉन अस्पताल, विशाखापत्तनम), और डॉ. सौरभ शर्मा (वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली) शामिल थे। धार्मिक सत्रों में इमर्सिव साहित्य-आधारित नृत्य शास्त्र, एसएलईडी और सीआर आरटी पर शास्त्रीय आश्रम-आधारित आश्रम, उच्च-शास्त्रीय वाद-विवाद और बहु-विषयक केस-आधारित चर्चाएँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में देश भर के इंटेंसिविस्ट, नेफ्रोलॉजिस्ट, क्रिटिकल केयर फिजिशियन और इंस्टीट्यूट संस्थानों ने भाग लिया।

इस अवसर पर, रायपुर स्थित रामकृष्ण हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ. संदीप दवे ने कहा: रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में, हम पूरी तरह से गुणवत्ता के लिए क्लिनिकल केयर ट्रेनिंग की गुणवत्ता बढ़ाते हैं। नेफ्रोक्रिटिकल केयर ट्रेनिंग में वर्चुअल रियलिटी और आर्किटेक्चरल रिसोर्सेज) की शुरुआत चिकित्सा शिक्षा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है, जो ग्राहकों को क्रिटिकल केयर स्टोर्स की वास्तविक और स्पष्ट समझ प्राप्त करने में मदद करती है। 5वें नेफ्रोक्रिटिकल केयर रिव्यू कोर्स के सफल समापन उन्नत चिकित्सा शिक्षा केंद्र के रूप में रायपुर की समृद्धि प्रतिष्ठा को बढ़ावा देता है। एसोसिएटेड टेक्नोलॉजी को क्लिनिकल केयर ट्रेनिंग के साथ मिलकर, इस कार्यक्रम ने नेफ्रोक्रिटिकल केयर ट्रेनिंग में एक नया मानक स्थापित किया और भारत में क्रिटिकल केयर ट्रेनिंग के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। 1992 में स्थापित, रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल, केयर हॉस्पिटल्स ग्रुप का एक हिस्सा, यह ह्क्क्॥-मान्यता प्राप्त है और गुणवत्ता एवं नवाचार के लिए जाना जाता है। हॉस्पिटल एडवांस्ड रिसर्च ढाँचा, रोबोट-सहायक प्राप्त सर्जरी, विशेष उपकरण और 30 से अधिक विशेषज्ञता प्रदान करता है, जिसमें कार्डियोलॉजी, न्यूरोसाइंस, ऑन्कोलॉजी, नेफ्रोलॉजी आदि उत्कृष्टता केंद्र शामिल हैं।

साधना की वृद्धि से ही होगी आत्म शुद्धि : मनीष सागर

रायपुर (समय दर्शन)। टैगोर नगर पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रचवनमाला में बुधवार को युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि स्वार्थ परायण, भोग परायण नहीं बनना है। धर्म कार्य में सीमित नहीं रहना है। मोक्ष की साधना करना है। इन चार पुरुषार्थ में मोक्ष का पुरुषार्थ सबसे उच्च है। स्वार्थ हावी होने से परमार्थ समझ नहीं आता। साधना की वृद्धि से ही आत्म शुद्धि होगी। साधना परायण बनाना होगा। साध्य को पाने के लिए साधना करना है। साधना से साधक का साध्य मोक्ष हासिल करना होना चाहिए।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि मन में स्वार्थ भर जाता है तब धर्म दूर हो जाता है। स्वार्थी व्यक्ति हमेशा अपना हित ही करता है। सबसे पहली गलती वह स्वयं को भूल जाता है। उसे झूठा स्व सच्चा स्व लगता है। मैं कौन हूं, मेरा कौन है यह भूल जाता है। स्वार्थी व्यक्ति केवल आत्म केंद्रित हो जाता है। सच्चे स्व- अर्थी परमात्मा है। परमात्मा ने सच्चे स्व को पहले तलाश किया। सच्चे स्व का हित कैसे होता है उसके लिए पूरा पुरुषार्थ झौक दिया। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमने भूल की और झूठा स्व को सच्चा स्व मान लिया है। देह को स्व मान बैठे और आत्मा को भूल गए। झूठे स्व का हित कर पूरे पुरुषार्थ में पानी फिर जाता है। हम झूठे स्व को सच्चा स्व बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जितना हम झूठे स्वार्थी होते जाते हैं। उतना सच्चे स्व की पहचान कराने वाले से दूर होते रहते हैं। आत्मा की बात बोझिल लगती है। आत्म कल्याण कराने वालों के प्रति रुचि नहीं आती है। जिन वाणी के प्रति समर्पण नहीं आता । अच्छी नीतियों की बात होती है तो नींद आती है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि स्वार्थ हावी हो तो परमार्थ को समझ नहीं सकते। हमें धर्म में रूचि बढ़ाना है। ऐसा मत सोचो कि धर्म तो करना है लेकिन अधिक नहीं करना है। धर्म नापतौल कर मत करो। सीमित दायरे में धर्म नहीं करना है। ऊपर उठने का प्रयास करना है। 10 साल से पूजा कर रहे यह उपलब्धि है। इससे ऊपर नहीं उठाना कमजोरी है। वहीं के वहीं सीमित नहीं होना है। हमेशा ऊपर उठने का पुरुषार्थ करना है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि दो प्रकार की संपत्ति है।एक बाहर के धन दौलत आदि और दूसरा भीतर की सन्मति। सन्मति अर्थात सही ज्ञान। सन्मति रूपी संपदा का उपयोग करना ही समझदारी है। साधना के क्षेत्र में सन्मति आ जाए तो धर्म के क्षेत्र में इसकी सार्थकता है।

सुधा ओपन स्कूल की छात्राओं ने शिव तांडव नृत्य से जीता दिल

रायपुर (समय दर्शन)। सुधा ओपन स्कूल, आमासिवनी की होनहार छात्राएँ पार्वती यादव और प्रमिला यादव ने सफायर ग्रीन गणेश उत्सव में अपने शानदार शिव तांडव नृत्य से सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके दमदार और भावपूर्ण प्रदर्शन की सभी ने जमकर सराहना की।

सम्मान और पुरस्कार से नवाजी गई छात्राएँ

कार्यक्रम में सुधा सोसाइटी फाउंडेशन की ओर से दोनों छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया, जिसे महेंद्र बाफना, अध्यक्ष, एम्पेरिया सफायर ग्रीन के हाथों से दिया गया। इसके अलावा, कई प्रमुख निवासियों ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें नकद पुरस्कार भी दिए। इनमें राजकिशोर अग्रवाल, सुजीत तुलस्यान, अवधेश गुप्ता, महेंद्र बाफना, कौशल चौधरी, नरेश जैन, बीके गुप्ता, टीपी चंद्रवंशी और विवेक अग्रवाल शामिल रहे।

लगातार मिल रही है सराहना

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले विला सैफायर ग्रीन में भी दोनों छात्राओं ने प्रस्तुति दी थी। वहाँ भी निवासियों ने उनके कला प्रदर्शन को खूब सराहा और पुरस्कृत किया। सुधा ओपन स्कूल और सुधा सोसाइटी फाउंडेशन के चेयरमैन जीके भटनागर का कहना है कि ऐसे अवसर बच्चों की प्रतिभा निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के वीर जवानों को गृहमंत्री शाह ने किया सम्मानित

रायपुर (समय दर्शन)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में करेंगुट्टालु पहाड़ी पर संचालित 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी और कोबरा बटालियन के वीर जवानों से भेंट की और उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे। अमित शाह ने कहा कि यह अभियान नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने जवानों के साहस और पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों—भीषण गर्मी, ऊँचाई और हर कदम पर इ्वश्च्ष्ठ के खतरे के बावजूद, जवानों ने बुलंद हौसले से अभियान को सफल बनाकर नक्सलियों का बेस कैंप, मैटीरियल डंप और सप्लाई चेन पूरी तरह नष्ट कर दी।

देश को नक्सलमुक्त बनाने का संकल्प

गृह मंत्री ने कहा कि जब तक सभी नक्सली या तो आत्मसमर्पण न कर दें, पकड़े न जाएँ या समाप्त न हो जाएँ, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। मोदी सरकार का संकल्प है कि 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करेंगे।

उन्होंने कहा कि नक्सलियों ने वर्षों तक देश के पिछड़े इलाकों में विकास कार्यों को बाधित किया, स्कूल और अस्पताल बंद कराए और योजनाओं को आमजन तक नहीं पहुँचने दिया। लेकिन अब नक्सलविरोधी अभियानों के कारण पशुपतिनाथ से लेकर तिरुपति तक के क्षेत्र में साढ़े 6 करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है।

शहीदों और घायल जवानों के प्रति संवेदनशीलता

अमित शाह ने आश्वासन दिया कि जिन जवानों ने इन अभियानों में गंभीर शारीरिक क्षति उठाई है, उनके जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए मोदी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने अंत में कहा कि सभी सुरक्षा बलों का शौर्य और पराक्रम न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT No: 19/PWD/ZONE-2/2025 RAIPUR DATED: 04.09.2025

Online bids are invited for the following works up to 26.09.2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of works	amount of the Estimate (Rupees in Lakhs)	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor/ firm	Time allowed for Completion
01	174887	हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क्र. 35 अंतर्गत सुभाष नगर उत्कल क्षेत्र में सी.सी. कव्हर्ड नाली, पुलिया एवं रोड निर्माण कार्य।	16.70 (Lacs)	17000.00	Class D & above	03 Months

The details can be viewed and downloaded online directly from the government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 05.09.2025, 10.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

NOTE:
1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e- Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic. Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISIONER
ZONE- 02
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

अदाणी फाउंडेशन 'उत्थान परियोजना' द्वारा ग्राम ताराशिव में खेल दिवस का सफल आयोजन

रायपुर: अदाणी फाउंडेशन की उत्थान परियोजना के अंतर्गत ग्राम ताराशिव में खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ गाँव की माताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल दिवस के दौरान कबड्डी, मटका दौड़, मटका फोड़, कुर्सी दौड़ जैसे विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य प्रतिभागियों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक विकास और टीम भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित किया गया और उनके प्रयासों की सराहना की गई। विशेष बात यह रही कि माताओं ने भी सक्रिय भागीदारी कर बच्चों के साथ अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का परिचय दिया। इस अवसर पर 150 से अधिक लोग उपस्थित रहे, जिनमें 19 माताओं ने खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम की सरपंच श्रीमती पूर्णिमा वर्मा, पंचगण—श्रीमती विद्या वर्मा, श्रीमती मैना वर्मा, श्री हेमंत वर्मा, श्री भूलौ वर्मा, श्री मोनू यादव एवं श्रीमती कृपा वर्मा—तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकागण उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों ने बच्चों और माताओं को खेल भावना की शपथ दिलाई और प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती पूर्णिमा वर्मा ने कहा, आज माताओं ने बच्चों के साथ मिलकर खेलों में भाग लेकर यह साबित कर दिया कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

पर्युषण पर्व के दौरान जैन संवेदना ट्रस्ट ने सौंपा 8125वां श्रवण यन्त्र

रायपुर (समय दर्शन)। पर्युषण पर्व पर जैन संवेदना ट्रस्ट ने दिव्यांग सेवा व साधर्मिक भक्ति व अनुकम्पा सेवा सप्ताह मनाया। इस दौरान ऋषभदेव जैन मंदिर प्रांगण में 18 दिव्यांगों को श्रवण यन्त्र वितरित किए गए। जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि इस साप्ताहिक वितरण में ट्रस्ट ने 8125 वां श्रवण यंत्र प्रदान किया। कोचर व चोपड़ा ने कहा कि मानवता की सेवा जीवन का सर्वोत्तम कार्य है। जीवन भर सुनने के बाद जब बुढ़ापे में कम सुनाई देने लगता है तो बड़ी समस्या पैदा हो जाती है । इस वक्त श्रवण यन्त्र ही बड़ा सहारा होता है। जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा जैन साधर्मिक परिवारों के लिए स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना का शुभारंभ किया गया। स्वास्थ्य सजग प्रहरी योजना में 2500 रुपये की सहयोग राशि प्रदान कर एक साधर्मिक परिवार के सजग प्रहरी बन सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत बी पी व शुगर जांच की 18 - 18 मशीनों का वितरण किया गया। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने बताया कि नौकरीपेशा व मध्यमवर्गीय जैन परिवारों को आवश्यकता अनुसार 1 ब्लड प्रेशर मशीन व 1 शुगर टेस्टिंग इक्यूपमेंट दिया जा रहा है। पर्युषण पर्व में जिन परिवारों में ब्लड प्रेशर व शुगर से पीड़ित परिजन हैं ऐसे 18 परिवारों को मशीन वितरित की गई है। इसके अलावा सितम्बर माह में 25 परिवारों को और मशीन दी जावेगी। जिन साधर्मिक भाई बहनों के परिवार में ब्लड प्रेशर व शुगर के मरीज हों वे संपर्क कर नाम दर्ज करवा सकते हैं । जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा शुगर इक्यूपमेंट के साथ एक पैकेट जांच पट्टी भी दी जा रही है , आगे जांच पट्टी स्वयं को लेनी होगी । महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने कहा कि जरूरत होने पर ब्लड प्रेशर व शुगर जांच करने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है । ज्ञात हो कि जैन संवेदना ट्रस्ट द्वारा विगत दिनों में साधर्मिक स्वावलंबन योजना के अंतर्गत व्यवसाय में सहयोग किया जा रहा है व सुकन्या विवाह योजना पर कार्य किया जा रहा है ।

कर्मचारियों को मिल रहा टेक्नोलॉजी दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर (समय दर्शन)। प्रोजेक्ट दक्षः हम होंगे स्मार्ट' अब एक नई दिशा और पहचान बना रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा अनुरूप इस परियोजना के माध्यम से जिले के शासकीय अधिकारी और कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। आज प्रोजेक्ट दक्ष के अंतर्गत आज कार्यपालन अभियंता,लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका परिषद् तिल्दा नेवरा एवं कृषि विभाग के बचे हुए अधिकारी एवं कर्मचारी को प्रशिक्षण दिया गया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट, ईमेल और डै र्विपबम जैसे उपयोगी टूल्स की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक 325 महिलाओं की हुई कैंसर स्क्रीनिंग

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन की नवाचार पहल प्रोजेक्ट रक्षा के तहत अब तक कुल 325 महिलाओं की कैंसर की स्क्रीनिंग की गई है।इस निःशुल्क कैंसर स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख (ओरल), स्तन (ब्रेस्ट) तथा गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर के स्क्रीनिंग की जा रही है। प्रोजेक्ट रक्षा, जिला प्रशासन द्वारा बालको मेडिकल सेंटर के सहयोग से कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए संचालित किया जा रहा है, जिससे समय रहते बीमारी का पता चलने पर जीवन बचाना आसान हो सके। आपका एक कदम - जीवन की रक्षा की ओर की भावना को लेकर प्रोजेक्ट रक्षा के तहत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में बालको मेडिकल सेंटर की टीम, मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन के माध्यम से गांव-गांव पहुंच रही है।यह टीम ग्रामीण महिलाओं को कैंसर के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ 3 प्रकार के कैंसर के लक्षणों की जानकारी और बचाव के उपाय को समझाते हुए स्क्रीनिंग कर रही है, ताकि प्रारंभिक अवस्था में ही कैंसर की पहचान कर जीवन रक्षा संभव हो सके।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान, आरोपी पति गिरफ्तार

रायपुर। कोटा कालोनी में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसमें जांच के दौरान सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार कोटा निवासी मृतिका सरस्वती निर्मलकर 30 वर्ष अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

संपादकीय

मोदी सरकार की संकल्प शक्ति का इम्तहान

बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार-शुदा लोगों के पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए। लेकिन उसे पूर्व शर्त बना कर इस कारोबार से करोड़ों की बदहाली बढ़ाते जाना किसी स्वस्थ समाज को मंजूर नहीं हो सकता। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री का बड़ा हिस्सा संगठित जुआ बना हुआ है। इसलिए इसे प्रतिबंधित करने के लिए लाए गए विधेयक को देर से, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम माना जाएगा। यह भी स्वागतयोग्य है कि इसके दायरे में उन ऑनलाइन गेम्स को नहीं रखा गया है, जिसमें पैसे का लेन-देन नहीं होता। बहरहाल, इस इंडस्ट्री से बहुत बड़े स्वार्थ जुड़े हुए हैँ। इसलिए बिल पारित होने के बाद भी प्रस्तावित कानून के प्रभावी ढंग से लागू हो पाने को लेकर आशंकाएं बरकरार हैं। गेमिंग इंडस्ट्री इसे न्यायपालिका में चुनौती देने की तैयारी में है। इसके अलावा उसने प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के खिलाफ सरकार और अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर लॉबिंग शुरू कर दी है। इसलिए प्रस्तावित कानून को लागू करना नरेंद्र मोदी सरकार की संकल्प-शक्ति का एक बड़ा इम्तहान होगा। खुद सरकार ने बताया है कि देश के युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग की लत बढ़ती चली गई है। इस कारण हर साल 45 करोड़ लोग पैसा गंवाते हैं। ऑनलाइन गेम में पैसा लगाने के लिए घरों के भीतर कलेश और हिंसा के मामले बढ़ते चले गए हैँ। कई आत्म-हत्याओं की खबरें भी हर साल आती हैं। लोगों की इसी बदहाली की कीमत पर गेमिंग इंडस्ट्री फूल-फल रही है। उसके संचालकों का दावा है कि यह कारोबार इतना बड़ा हो चुका है कि इस इंडस्ट्री में दो लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इस कारोबार के जरिए इंडस्ट्री हर साल 20 हजार करोड़ रुपए का टैक्स सरकार को देती है। मगर सरकार को ऐसी दलीलों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। फिलहाल उसने राजस्व पर सामाजिक हित को तरजीह देने का रुख लिया है, जिस पर उसे कायम रहना चाहिए। सामाजिक बुराई को फैलाने वाले हर कारोबार से कुछ लोगों की रोजी-रोटी चलती है। बुराई को जब कभी रोका जाएगा, ऐसे लोगों को नुकसान होगा। बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि उनके पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए, लेकिन उसे पूर्व शर्त बना कर जुआ जैसे कारोबार से करोड़ों की बदहाली बढ़ाते रहना किसी स्वस्थ समाज को कतई मंजूर नहीं हो सकता।

इक्कीसवीं सदी की असली त्रासदी अकाल

श्रुति व्यास

हम असाधारण समय में जी रहे हैं। इक्कीसवीं सदी में कैसी सुर्ख़ियां पढ़ने को मिल रही है। बात दो टूक है। साफ कहां जा रहा है कि ग़ाज़ा में अकाल घोषित हो चुका है। क्या कुछ बदलेगा? सवाल पूछे जाने से पहले ही जवाब तय था- नहीं। और यही समय की असाधारणता याकि असाधारण क्रूरता है। अकाल, भूखमरी अतीत की आम बात थी। असफल मानसून, टिड्डियों के हमले, या खेतों के उजड़ जाने से ऐसे हालात बनते थे। पर आधुनिकता ने, इक्कीसवीं सदी नया रूप दे रही है। मनुष्य के हाथों से, नाकेबंदी-दर- नाकेबंदी और घेराबंदी-दर-घेराबंदी से भूखमरी की नौबत! नकली अकाल और असल भूखमरी। यह भी मानों एक हथियार—सुनियोजित, सोचा-समझा, और युद्ध की रणनीति में इस्तेमाल किया गया। बमों के मुकाबले बिना धमाकों के, पर उतना ही विनाशकारी। कहते है भारत का 1943 का बंगाल अकाल प्रकृति की मार नहीं था, बल्कि ब्रितानी साम्राज्य की लापरवाही, एक अपराध था। जब चावल सरकारी गोदामों में सड़ रहे थे, जहाज़ अनाज लेकर ब्रिटेन के युद्ध प्रयासों के लिए रवाना हो रहे थे, तब लाखों भारतीय खेतों और सड़कों पर भूख से मर रहे थे। चर्चिल ने जब मौतों की ख़बर सुनी, तो ताना मारा- भारतीय खरगोशों की तरह बढ़ रहे हैं। तब तीस लाख लोग मरे। वह अकाल नहीं, उपनिवेशवादी नरसंहार था- सुनियोजित, अनुमति-प्राप्त, लम्बा खींचा गया। अकाल तब भूख भर का नहीं था—वह अपमान था, सत्ता का वह क्रूर फ़ैसला कि कौन जिएगा और कौन मरेगा। आज वैसी ही नैतिक शून्यता दुनिया के सामने है। ग़ाज़ा का अकाल भोजन की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि भोजन से वंचित किया जाना है। नेतन्याहू की नाकेबंदी चर्चिल की नीति की गूँज है—भूख, दुर्भाग्य नहीं बल्कि हथियार है। बंगाल साम्राज्य के लिए जो था, ग़ाज़ा कब्ज़े के लिए वही है—भूख को रणनीति में बदलने की हद तक जाना। और वैश्विक आक्रोश? वह भी खोखला। सप्ताहांत में फिर ग़ाज़ा सिटी पर बम गिरे। अकाल घोषित होने के बावजूद बम गिरे। इसी बीच इज़रायल ने वेस्ट बैंक में 3,400 नए यहूदी घरों की घोषणा की। अंतरराष्ट्रीय निंदा हुई, लेकिन निर्माण रुका नहीं। जिनेवा कन्वेंशन जैसी क़ानूनी बाध्यताएँ भी निष्प्रभावी लगती हैं। और वैश्विक ढोंग? फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया ने फ़िलस्तीन को मान्यता देने का वादा किया, लेकिन अमेरिका—वह इकलौता देश जिसके पास इज़रायल पर असली दबाव डालने की क्षमता है—चुप है। पश्चिम, जिसकी अंतरात्मा कभी होलोकॉस्ट से दहली थी, अब दूसरी क़ौम को भूख से झुकते देख मुँह फेर रहा है। और भारत भी चुप है। सब इतने निर्दयी कैसे हो गए? अगर इतिहास ने कुछ सिखाया था तो यही कि एक-दूसरे पर क्रूर न हों। और फिर भी इतिहास उसी भाषा में दुबारा लिखा जा रहा है—वही निर्ममता, वही निर्दयता, वही ठंडी क्रूरता। इतिहास याद दिलाता है कि यह नया नहीं। दुनिया ने 1930 के दशक में यूक्रेन का होलोडोमोर देखा, जब स्तालिन की नीतियों ने लाखों को भूख से मार डाला था। लेकिन राजनीति ने उसे भी दबाया। 1960 के दशक में बियाफ़्रा, 1980 में इथियोपिया, 2011 में सोमालिया—इनका हर बार अकाल टीवी पर लाइव था, हर बार सहानुभूति मिली, नतीजा कुछ नहीं निकला। अब ग़ाज़ा भी उसी शर्मनाक सूची में शामिल है—एक अकाल जो खेतों में छिपा नहीं, बल्कि कैमरों पर दर्ज हो रहा है, पत्रकारों द्वारा गवाही के साथ, जिन्हें खुद निशाना बनाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर खुला, अटल, और फिर भी झुठलाया गया।

नेताओं को सुधारने के लिए बन रहे हैं इंडोनेशिया जैसे हालात

योगेंद्र योगी

इंडोनेशिया की राजधानी में संसद पहुंचने की कोशिश कर रहे हजारों पत्थरबाज छात्रों पर दंगा पुलिस ने आंसू गैस के कई राउंड दागे। ये छात्र संसद सदस्यों के भव्य भत्तों का विरोध करने के लिए वहां पहुंचे थे। प्रदर्शनकारी हाल की रिपोर्टों से नाराज थे कि प्रतिनिधि सभा के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से प्रति माह 50 मिलियन रुपिया (एसडी 3,075) का आवास भत्ता मिल रहा है। सांसदों को प्रति महीने दिया जाने वाला भत्ता एक इंडोनेशियाई नागरिक के प्रति महीने आय से 20 गुना ज्यादा है। इंडोनेशिया की संसद के 580 सदस्यों को सितंबर 2024 से 5 करोड़ रुपये (3,075 डॉलर) आवास भत्ता के तौर पर दिए जा रहे हैं। इंडोनेशिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है और कार्यकर्ताओं का कहना है कि 28 करोड़ से ज़्यादा की आबादी वाले देश में पुलिस और संसद सदस्यों को व्यापक रूप से भ्रष्ट माना जाता है। नेताओं के रवैये को देखकर लगता है कि भारत में भी देर-सबेर ऐसे हालात बन रहे हैं। मंत्री, सांसद-विधायकों का सही मायने में देश के लोगों की हालत से ज्यादा सरोकार नहीं रह गया है। संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के लिए 120 घंटे तय थे किन्तु 37 घंटे ही चर्चा हो पाई। हंगामें के कारण कार्रवाई ठप होने से जनता कई सौ करोड़ के धन का नुकसान हुआ। लगातार व्यवधानों के कारण केवल एक तिहाई समय तक ही सक्रिय रूप से चल पाया। इसमें बड़ा हिस्सा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का रहा। अधिकांश समय हंगामे में बीता, जिससे विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित किए गए। राज्य सभा में 285 सवाल पूछने के बावजूद केवल 14 सवालों का ही जवाब सत्र के दौरान दिया गया। लगातार 20 दिनों तक इंडिया ब्लॉक से जुड़े विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनर्निरीक्षण केमुद्दे पर लोक सभा और राज्य सभा के अंदर और बाहर जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। इसकी वजह से दोनों सदनों की कार्यवाही काफी बाधित हुई। राज्य सभा के डिप्टी चेयरमैन हरवंश ने मॉनसून सत्र के आखिरी दिन अपने समापन भाषण में कहा कि कुल मिलाकर, सदन केवल 41 घंटे 15 मिनट ही चल पाया। इस सत्र की उत्पादकता निराशाजनक रूप से सिर्फ 38.88 प्रतिशत रही, जो गंभीर आत्मचिंतन का विषय है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चुने हुए जनप्रतिनिधी देशहित के लिए कितने गंभीर हैं।

काम नहीं तो वेतन नहीं, संसद में इस मुद्दे पर कोई आवाज नहीं उठाता। किसी भी कारण से संसद का कामकाज हो या नहीं, इससे सांसदों को फर्क नहीं पड़ता। उन्हें पूरा वेतन-भत्ता मिलता है। काम नहीं करने के आधार पर इसमें कटौती की कोई चर्चा तक नहीं करता। दमन और दीव के केंद्र शासित प्रदेश के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल अकेले ऐसे सांसद रहे जिन्होंने यह मांग उठाई। उन्होंने कहा था कि अगर सदन नहीं चलता है, तो सांसदों को भत्ता भी नहीं मिलना चाहिए। उनका दावा था कि सांसदों को भत्ता तो मिलता है, लेकिन जनता के काम नहीं हो पाते। उन्होंने आरोप लगाया था कि सत्ता और विपक्ष दोनों की इगो के कारण सदन नहीं चलने दिया जा रहा है, जबकि विपक्षी दल सरकार को ही इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सदन में कार्य नहीं होने पर सांसदों का वेतन और अन्य लाभ रोके जाने चाहिए। संसद की कार्रवाई ठप करने के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे पर आरोपों का ठीकरा फोड़ते हैं, लेकिन जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब मिल कर एक हो जाते हैं। इस पर कोई बहस तक नहीं होती। वेतन-भत्तों के एवज में सांसदों की उत्पादकता कितनी रही, इसका विश्लेषण तक नहीं किया जाता। देश जब 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है, तब उस दौरान मॉनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चली। देश की संसद के मॉनसून सत्र में लोकसभा में 83 घंटे काम नहीं हुआ। इससे 124 करोड़ 50 लाख रुपए जनता का धन बर्बाद हुआ। राज्यसभा में 73 घंटे ठप रही, इससे 80 करोड़ रुपए व्यर्थ गए। मतलब दोनों सदनों में मिलाकर 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद कर दिए गए। संसद में जहां घंटाभर बैठकर सांसद काम नहीं कर सकते हैं, उन्हें ही 5-5 साल की जिम्मेदारी देकर जनता भेज देती है। संसद में बैठने वाले 93 प्रतिशत सांसद करोड़पति हैं, जिन्हें अभी एक लाख 24 हजार रुपए हर महीने वेतन मिलता है। संसदीय क्षेत्र भत्ता 84 हजार रुपए होता है। दैनिक भत्ता सांसदों का 2500 रुपए है। वेतन भत्ता जोड़कर हर सांसद को हर महीने दो लाख 54 हजार रुपए जनता के पैसे से दिया जाता है। देशहित के नाम पर हंगामा कर संसद की कार्रवाई ठप करने में सांसद कोई मौका नहीं छोड़ते पर जब बात वेतन-भत्ते बढ़ाने की आती है तो सब एक हो जाते हैं। गत वर्ष संसद सदस्यों के वेतन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई। नया वेतन 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी माना गया। इसके साथ ही सांसदों का मासिक वेतन कुछ भत्तों और सुविधाओं के अलावा 1.24 लाख रुपये हो गया है। सरकार का कहना था कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए सांसदों के वेतन में वृद्धि की गई। वहीं पूर्व सदस्यों के लिए पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन की घोषणा की गयी। इसमें कहा गया है कि दैनिक भत्ता 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया है।

पूर्व सांसदों की पेंशन 25,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 31,000 रुपये प्रति माह कर दी गई। पांच साल से अधिक की सेवा पर प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन 2,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2,500 रुपये प्रति माह कर दी गई। 1954 के सांसद वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम के तहत उन्हें यह सुविधा दी गई है। हर पांच साल में होता है रिव्यू 2018 के बाद से सांसदों के वेतन और भत्ते की हर पांच साल पर समीक्षा होती है। यह समीक्षा महंगाई दर पर आधारित होती है। 2018 में सांसदों के वेतन और भत्तों के लिए कानून में संशोधन किया गया था। सांसदों को विट्ठलभाई पटेल (वीपी) हाउस में हॉस्टल से लेकर मध्य दिल्ली में दो बेडरूम वाले फ्लैट और बंगले तक आवास मिलता है। उन्हें बिजली, पानी, टेलीफोन और इंटरनेट शुल्क के लिए भी राशि दी जाती है। संसद में निरंतर हंगामे के परिणामस्वरूप दोनों सदनों में लंबे समय तक स्थगन होता है जो अंततः सदन में सार्वजनिक नीति के निर्माण को प्रभावित करता है। भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में से एक है, जहां नीति पर अपनी राय के साथ हर किसी की अपनी आवाज है, लेकिन ये लंबे समय तक व्यवधान संसद की क्षमता को कम कर रहा है। दिन के अंत में हमें क्या परिणाम मिलता है, और चर्चा से हमें कितना लाभ होता है? संसद अपने नियम और विनियम बनाती है, विधायी निकायों के प्रभावी कामकाज के लिए उन नियमों और विनियमों का पालन करना सदस्यों पर निर्भर है। ऐसा कब तक होगा? संसद को व्यक्तिगत स्तर और पार्टी स्तर दोनों पर आंतरिक जांच और संतुलन के साथ आना होगा। बार-बार व्यवधान डालने पर आनुपातिक दंड लगाया जा सकता है। एक संसद व्यवधान सूचकांक तैयार किया जा सकता है जिस पर व्यवधानों का स्वतः निलंबन लागू किया जा सकता है। साथ ही संसद के कार्य दिवसों में वृद्धि की जानी चाहिए। लगातार व्यवधान एक नया मानदंड बनता जा रहा है जो पार्टियों के बीच विश्वास की कमी को बढ़ाता है। यह प्रवृत्ति एक स्वस्थ लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली की निष्पक्षता में सेंध के लिए खराब है।

भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा उर्दू

विवेक शुक्ला

इधर देखने में आ रहा है कि अपने को उर्दू का सबसे बड़ा प्रवक्ता बताने वाले कुछ विद्वान कहते मिल जाते हैं कि अब भारत में उर्दू का कोई मुस्तकबिल (भविष्य) नहीं है। क्या इस तरह की कोई बात है? कतई नहीं। बीते दिनों पटना में भारत में उर्दू इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा हुई। निष्कर्ष यह निकला कि उर्दू का भारत में रोशन भविष्य है। यह एक भाषा होने के साथ-साथ, तहजीब, परंपरा और प्यार की भाषा भी है, जो भारत की कोख से जन्मी है, और हर भारतीय भाषा, क्षेत्र, समाज, धर्म और संस्कृति की सुगंध शामिल है इसमें। यह भारत की आत्मा से जुड़ी भाषा है। यह विकसित भारत की भाषा है। अगर बात हिन्दी और उर्दू के संबंधों की करें तो हिन्दी और उर्दू, दोनों ही हिन्दुस्तानी भाषा की दो प्रमुख शाखाएं हैं। दोनों व्याकरणिक संरचना और मूल शब्दावली में लगभग समान हैं, लेकिन लिपि, शब्दावली का चयन और सांस्कृतिक प्रभावों के कारण अलग-अलग पहचान रखती हैं। सिनेमा और मीडिया में भी दोनों भाषाएं एक-दूसरे की पूरक के रूप में दिखाई देती हैं, जैसे बॉलीवुड फिल्मों में हिन्दी-उर्दू का मिश्रित प्रयोग। हालांकि, राजनीतिक और सांप्रदायिक कारणों ने इन भाषाओं को अलग करने की कोशिश की, फिर भी इनके साझा मूल और सांस्कृतिक विरासत ने इन्हें एक-दूसरे से जोड़े रखा। हिन्दी और उर्दू का यह अनोखा रिश्ता भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। उर्दू के साथ नाइंसाफी यह हुई कि इसे मुसलमानों की भाषा समझ लिया गया। विभाजन और पाकिस्तान बनने का जिम्मेदार तक समझ लिया गया, जो गलत है। उर्दू के गैर-मुस्लिम लेखकों और शायरों की भी कोई कमी नहीं है। इनमें फिराक गोरखपुरी, कृष्ण चंदर, मोहिंदर सिंह बेदी, राजेंद्र सिंह बेदी, जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, गोपी चंद नारंग शामिल हैं। क्या केंद्र की मौजूदा सरकार देश में उर्दू के हक में काम कर रही है? इस बारे में सहमति थी कि मोदी सरकार ने उर्दू से जुड़ी संस्थाओं और संस्थानों को अपने राष्ट्र विकास मंत्र, 'सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वासऔर सब का प्रयास' से जोड़ा है जिसका जीता जगता उदाहरण नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज का पटना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का त्रि-दिवसीय समागम-उर्दू भाषा का भविष्य, विकसित भारत 2047-था। देखिए, उर्दू भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का अनमोल रत्न है, जो इस देश की मिट्टी से उपजी है और इसके लोगों के दिलों में बसी है। यह भाषा न केवल शब्दों का समूह है, बल्कि ऐसी सांस्कृतिक धारा भी है जो विभिन्न समुदायों को प्रेम और भाईचारे के सूत्र में बांधती है। उर्दू की मधुरता, शायरी, गजलें और कविताएं भारतीय साहित्य और कला को अनूठा आयाम प्रदान करती हैं। यह भाषा भारत की गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता और सौहार्द का संदेश देती है। उर्दू का जन्म भारत की मिट्टी में हुआ, और यह संस्कृत, प्राकृत, फारसी, अरबी और तुर्की जैसी भाषाओं के मेल से विकसित हुई। इसकी उत्पत्ति दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में हुई, जहां इसे 'हिन्दवी' या 'देहलवी' के रूप में जाना जाता था। समय के साथ, उर्दू ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई और आज भारत की प्रमुख भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है। भारत के संविधान में उर्दू को 22 अनुसूचित भाषाओं में शामिल किया गया है, जो इसकी महत्ता को दर्शाता है। उर्दू की सबसे बड़ी खूबसूरती इसकी समावेशी प्रकृति में निहित है। उर्दू ने हमेशा से सभी को गले लगाया है, और इसे हिन्दुस्तान के हर कोने में प्रेम मिला है। चाहे उत्तर प्रदेश की गलियों में गूंजती गजलें हों, हैदराबाद की दक्कनी उर्दू हो, या कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के साहित्यिक समारोह हों, उर्दू हर जगह अपनी छाप छोड़ती है। इसकी शायरी और साहित्य में वह जादू है, जो सुनने वाले को भावनाओं के सागर में डुबो देता है। मिर्जा गालिब, दाग देहलवी, मीर तकी मीर और फैज अहमद फैज जैसे शायरों ने उर्दू को ऐसी ऊंचाई दी, जो विश्व साहित्य में बेमिसाल है। उर्दू को बढ़ावा देने के लिए भारत में कई संस्थान और संगठन काम कर रहे हैं। उर्दू अकादमियां, साहित्यिक समारोह और स्कूलों में उर्दू की पढ़ाई इस भाषा को जीवित और समृद्ध रखने में योगदान दे रही हैं। ईमानदारी की बात तो यह है कि जहां-जहां कोई उर्दू बोलता है, वहां-वहां हिन्दुस्तान बोलता है। राजा राम मोहन रॉय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, पूर्व राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा, मुरली मनोहर जोशी आदि सभी मदरसों के छात्र रहे हैं। उर्दू ने विकसित और सुरक्षित भारत के लिए 'चमन', 'गुलजार', 'गुलशन', 'बाग-ओ-बहार', 'गुल-ए-बहार' आदि शब्दों का प्रयोग किया है। कुल मिला कर कहा जा सकता है कि उर्दू का वर्तमान और भविष्य रोशन है। हां, अब उर्दू के दोस्तों और दुश्मनों की पहचान करना लाजिमी है।

डिजिटल युग में शिक्षक की भूमिका हुई और अधिक महत्वपूर्ण

संदीप सृजन

डिजिटल युग ने शिक्षा के परिदृश्य को पूर्णतः परिवर्तित कर दिया है। पहले शिक्षक कक्षा में ब्लैकबोर्ड और पुस्तकों के माध्यम से ज्ञान प्रदान करते थे किन्तु आज वे डिजिटल उपकरणों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑनलाइन मंचों के साथ मिलकर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। आज जब हम डिजिटल परिवर्तन के शिखर पर हैं, शिक्षक की भूमिका केवल ज्ञान वितरक से बदलकर मार्गदर्शक, परामर्शदाता और नवप्रवर्तक की हो गई है। आज शिक्षक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर शिक्षा को अधिक समावेशी, व्यक्तिगत और प्रभावशाली बना रहे हैं।

डिजिटल युग की शुरुआत इंटरनेट और कंप्यूटर के प्रसार से हुई परन्तु 2020 की कोविड-19 महामारी ने इसे तीव्र गति प्रदान की। ऑनलाइन कक्षाएँ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म्स ने शिक्षा को घर-घर तक पहुँचाया। युनेस्को की सन् 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व भर में 80त्न से अधिक छात्र डिजिटल उपकरणों से जुड़े हैं। इस परिवर्तन में शिक्षक की भूमिका केंद्रीय है। वे अब केवल लेक्चर देने वाले नहीं, अपितु डिजिटल सामग्री निर्माता (कंटेंट क्रिएटर) हैं जो वीडियो,इंटरएक्टिव क्विज और वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से शिक्षा प्रदान करते हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से, शिक्षा हमेशा तकनीकी प्रगति से प्रभावित रही है। प्राचीन काल में गुरुकुल प्रणाली मौखिक थी, मध्ययुग में पुस्तकों का आगमन हुआ और अब डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन शिक्षण ने क्रांति ला दी है। ओईसीडी की हाल की रिपोर्ट में उल्लेख है कि शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा के लिए प्रशिक्षित करना आवश्यक है, ताकि वे छात्रों को जोखिमों से बचाते हुए लाभ प्रदान कर सकें।

डिजिटल युग में शिक्षक की प्राथमिक भूमिका मार्गदर्शक की है। वे छात्रों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रेरित और निर्देशित करते हैं, न कि केवल सूचना प्रदान करते हैं। आज फ्लिप्ड क्लासरूम में छात्र घर पर वीडियो देखते हैं और कक्षा में विचार-विमर्श करते हैं। शिक्षक यहाँ मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं, जो छात्रों की जिज्ञासा को सही दिशा देते हैं। दूसरी भूमिका परामर्शदाता की है। डिजिटल युग में सूचनाओं की प्रचुरता के बावजूद, छात्रों को सही दिशा की आवश्यकता होती है। शिक्षक व्यक्तिगत शिक्षण पथ तैयार करते हैं, जहाँ एआई के माध्यम से छात्र की कमजोरियों का विश्लेषण होता है और शिक्षक व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान करते हैं। तीसरी भूमिका नवप्रवर्तक की है। शिक्षक डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर नवीन शिक्षण विधियाँ विकसित करते हैं। उदाहरण के लिए, वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से इतिहास की घटनाओं को जीवंत करना या खेल- आधारित शिक्षण द्वारा गणित सिखाना। एक अध्ययन के अनुसार डिजिटल मंच शिक्षकों के ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देते हैं जिससे वे वैश्विक स्तर पर सहयोग कर पाते हैं।

डिजिटल युग में शिक्षकों के समक्ष कई चुनौतियाँ हैं। सबसे बड़ी चुनौती है डिजिटल डिवाइड। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और उपकरणों की कमी के कारण छात्र पिछड़ जाते हैं। युनेस्को के अनुसार, सन् 2025 में भी विकासशील देशों में 40त्न शिक्षक डिजिटल उपकरणों से अपरिचित हैं। शिक्षकों को प्रशिक्षण की आवश्यकता है, किन्तु कई देशों में यह अपर्याप्त है। ओईसीडी की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि डिजिटल शिक्षा के लिए शिक्षकों को सक्षम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। दूसरी चुनौती साइबर सुरक्षा और गोपनीयता की है। ऑनलाइन कक्षाओं में डेटा लीक का खतरा रहता है। शिक्षकों को छात्रों को साइबर धमकी से बचाने की आवश्यकता है। साथ ही, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से साहित्यिक चोरी बढ़ सकती है, जिसके लिए शिक्षकों को मूल्यांकन विधियों में परिवर्तन करना पड़ता है। अनिच्छुक शिक्षकों को प्रौद्योगिकी अपनाने में सहायता की आवश्यकता है।

मानसिक स्वास्थ्य भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। डिजिटल कक्षाएँ शिक्षकों पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं, जैसे 24 घण्टे उपलब्धता। एक अध्ययन के अनुसार, कई शिक्षक कार्यभार के कारण तनावग्रस्त हो रहे हैं। चुनौतियों के बावजूद, डिजिटल युग शिक्षकों के लिए अवसरों से परिपूर्ण है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षकों को नियमित कार्यों, जैसे ग्रेडिंग या लेसन प्लानिंग से मुक्त करती है जिससे वे रचनात्मकता पर ध्यान दे सकें। कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सीओएल) की सन् 2025 की रिपोर्ट में उल्लेख है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षकों को सशक्त बनाती है। उदाहरण के लिए एआई टूल्स छात्रों की प्रगति का अनुसरण करते हैं और शिक्षकों को अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी शिक्षा को गहन बनाते हैं। शिक्षक वर्चुअल टूर्स आयोजित करते हैं, जैसे मंगल ग्रह की सैर या ऐतिहासिक घटनाओं का अनुभव। अमेरिकन एसपीसीसी के अनुसार डिजिटल युग में शिक्षा का विकास हो रहा है जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। व्यक्तिगत शिक्षण एक बड़ा अवसर है। डिजिटल उपकरण छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप सामग्री अनुकूलित करते हैं। शिक्षक डेटा एनालिटिक्स का उपयोग कर छात्रों की सहायता करते हैं। लिंक्डइन के एक लेख में सन् 2025 में एआई-पावर्ड क्लासरूम्स की चर्चा है, जहाँ शिक्षक एआई को सहायक के रूप में उपयोग करते हैं। वैश्विक स्तर पर, नाइजीरिया जैसे देशों में टीआरसीएन डिजिटल पोर्टल शुरू कर शिक्षकों को आधुनिक बना रहा है। भारत में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 डिजिटल शिक्षा पर बल देती है। शिक्षक दिक्षा और स्वयं जैसे मंचों का उपयोग करते हैं। किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी की कमी जैसी चुनौतियाँ हैं। सन् 2025 में, भारतीय शिक्षक कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत कर रहे हैं परन्तु प्रशिक्षण की कमी एक बाधा है।

घर पहुंचते ही नहाने की आदत तो जरा संभलकर पड़ सकता है भारी

ऑफिस से घर पहुंचकर पहले नहाते हैं, तो जरा संभलकर। भले ही आप सुबह नहाने के बाद घर से बाहर निकलते हैं,लेकिन गर्मी और पसीने के कारण इरिटेशन महसूस होने लगती है। ऐसे में लोग घर पहुंचकर दोबारा से नहाना पसंद करते हैं, ताकि वो तरोताजा महसूस कर सकें। कई लोग रोजाना ही चिलचिलाती धूप या फिर ऑफिस से घर पहुंचकर पहले नहाते हैं। लेकिन ऐसा करने से आपकी सेहत को नुकसान हो सकता है।चलिए जानते हैं इसके बारे में एक्सपर्ट से......

चलकर आने के कारण शरीर का तापमान बड़ा रहता है, ऐसे में जब हम अचानक गर्मी से घर पहुंचते ही नहाते हैं तो शरीर के तापमान में बदलाव आने लगता है। गर्मी और ठंडक की वजह से कई तरह के इंफेक्शन हो सकते हैं, इससे गले में खराश, जुकाम का होने का खतरा बढ़ सकता है, ऐसे में जरूरी है कि पहले घर पहुंचकर कम से कम आधा घंटा आराम से बैठें और उसके बाद ही नहाने जाएं।

वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो गर्मियों में कई बार नहाते हैं। उन्हें लगता है कि इससे उन्हें रिफ्रेश फिल होगा। लेकिन इससे उन्हें नुकसान हो सकता है।

बार-बार नहाने से स्किन से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि इससे

स्किन में मौजूद नेचुरल ऑयल कम होने लगता है जिसकी वजह से त्वचा ड्राई होने लगती है। साथ ही इससे आपको स्किन से जुड़ी कई तरह की समस्या हो सकती हैं।

इसलिए ध्यान रखें कि गर्मियों में सिर्फ दो टाइम ही नहाना चाहिए। सुबह और घर वापिस लौटने पर कुछ मिनट आराम करने के बाद, जिससे की आपके शरीर का तापमान रूम टेंपरेचर की तरह हो जाए या फिर रात में सोने के कुछ समय पहले। साथ ही गर्मियों के मौसम में घर पहुंचते ही इन गलतियों को करने से आपको बचना चाहिए।

ठंडा पानी न पिएं

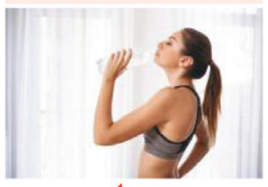

तेज धूप से आने के बाद प्यास तो बहुत लगती है। ऐसे में ज्यादातर लोग ठंडा या बर्फ वाला पानी पीने की गलती कर देते हैं। क्योंकि बाहर से आने के बाद बॉडी का तापमान बढ़ा हुआ होता है। ऐसे में अगर आप अचानक से ठंडा पानी पिएंगे, तो इससे शरीर के तापमान में बदलाव होगा और आपको गले में जुकाम, गले में खराश और खांसी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

एसी की हवा

तेज धूप से आने के बाद एसी वाले रूम में बैठने से बचें,क्योंकि एसी की ठंडी हवा से आपको गर्मी से राहत तो मिल सकती हैं लेकिन एकदम ठंडे में आकर सर्द गर्म हो सकता है। जिसकी वजह से आपको सेहत को नुकसान पहुंच सकता है।

रोज डाइट में शामिल कर लें जुकिनी

चौंका देंगे इसके फायदे!

हम सब ने बचपन से ये बात सुनी है कि हरी सब्जियां खाने से सेहत को कई तरह के फायदे मिलते हैं। मार्केट मे आपको कई तरह की हरी सब्जियां मिल जाएंगी जिसे आपको अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। आज हम जिस सब्जी की खासियत आपको बताएंग वो है जुकिनी, ये दिखने में तो बिल्कुल खीरे की तरह लगती हैं लेकिन गुणों में ये उससे भी ज्यादा है।

जुकिनी खीरे की तरह दिखने वाली एक सब्जी है जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते हैं। कुछ लोग तो धोखे से इसे खीरा भी समझ लेते हैं। बात करें इसके गुणों की तो ऐसा कोई पोषक तत्व नहीं है जो इस सब्जी में न हो।

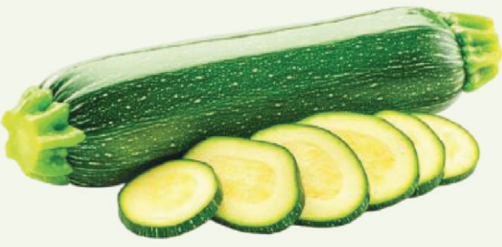

इस एक सब्जी से आपको विटामिन्स, मिनरल्स, जिंक, पोटेशियम, फाइबर, विटामिन के, विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, मैग्नीशियम जैसे कई सारे न्यूट्रिएंट्स मिल जाते हैं।

पाचन तंत्र रखती है दुरूस्त

अगर आप अक्सर गैस, एसिडिटी जैसी समस्या से परेशान रहते हैं तो आपको अपनी डाइट में जुकिनी जरूर शामिल करना चाहिए। इसमें सौल्यूबल फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो पेट में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाता है। साथ ही इसे खाने से शरीर में पानी की मात्रा की भी पूर्ती होती है।

डायबिटीज से राहत

डायबिटीज के मरीजों के लिए ये सब्जी किसी दवा से कम नहीं है। इसे रोज अपनी डाइट में शामिल करके आप

ब्लड शुगर को नियंत्रण में रख सकते हैं। जुकिनी फाइबर और कार्बोहाइड्रेट का बेहतरीन सोर्स होती है, इसे अपनी डाइट में रोज शामिल करने से आपको डायबिटीज की दवा खाने की जरूरत नहीं पडेग़ी।

आंखों की बढ़ेगी रोशनी

जुकिनी में बीटा कैरोटीन, विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये तीनों ही आंखों की रोशनी बढ़ाने का काम करते हैं। इसके अलावा जुकिनी में ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन नामक एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो रेटिना को हेल्दी बनाता है।

बच्चे को पिलाती हैं पाउडर वाला दूध?

नवजात या शिशु के लिए मां का दूध सबसे बेस्ट होता है। पर बिजी लाइफस्टाइल या दूसरी वजहों के चलते माता-पिता बच्चे को फॉर्मूला मिल्क यानी पाउडर वाला दूध पिलाने लगते हैं। भले ही इससे काम आसान हो जाता है पर क्या आप जानते हैं कि इससे सेहत को कई नुकसान हैं। दरअसल फॉर्मूला मिल्क को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बच्चों के लिए बनाए जाने वाले फॉर्मूला मिल्क की जांच होगी और उनके खिलाफ कदम उठाए जाएंगे जो सरकार की जारी की हुई गाइडलाइन्स को फॉलो नहीं कर रहा है। वैसे फॉर्मूला मिल्क के मुकाबले मां का दूध बच्चे के लिए बेस्ट माना जाता है।

फॉर्मूला मिल्क पर सरकार सख्त

सरकार की ओर से फॉर्मूला मिल्क पर नया अपडेट जारी किया गया है। सरकार का कहना है कि इस मिल्क को लेकर गाइडलाइन फॉलो न करने वाली कंपनी के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक कार्ब्स के लिए इसमें लेक्टोज और ग्लूकोज का होना अनिवार्य है और इसमें फ्रुक्टोज न हो तो बेहतर है। कार्बोहाइड्रेट्स के लिए इसे ऐड किया जा

रहा है तो इसकी मात्रा 20 परसेंट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। दरअसल नेस्ले इंडिया के प्रोडक्ट्स में शुगर यूज के बाद ये नया अपडेट सामने आया है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

डायटिशियन का कहना है कि इस तरह के मिल्क की जगह मां का दूध ही बच्चे के लिए बेस्ट रहता है।

उनका कहना है कि इसमें हाइजीन से जुड़ी कई गलतियां दोहराई जाती हैं जिस कारण बच्चा

भूल से भी न करें ये गलतियां

इंफेक्शन का शिकार हो जाता है। एक्सपर्ट कहते हैं कि पेरेंट्स बच्चे को पाउडर वाला मिल्क देते समय कई गलतियां करते हैं। इसमें बोतल को साफ न करना, रखे हुए दूध का इस्तेमाल शामिल हैं।

भूल से भी न करें ये गलतियां

एक्सपर्ट के अनुसार माता-पिता दूध को बनाते समय हाथ साफ नहीं करते हैं। ऐसा करने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसकी जगह सीधे मां का दूध देना चाहिए।

खाना बनाते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

जानिए इससे जुड़ी दिलचस्प बातें

किचन घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है जहां से पूरे परिवार की सेहत और एनर्जी जुड़ी होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, किचन में कुछ चीजें गलत दिशा या तरीके से होने पर घर में निगेटिव एनर्जी और मुसीबतें आ सकती हैं। आपके जीवन में कोई परेशानी न आए और आप एक सुखी और समृद्ध जीवन जी सकें इसलिए यहां हम आपको आसान वास्तु टिप्स बता रहे हैं, ताकि आप खाना बनाते समय इन गलतियों से बच सकें और अपने घर में सुख-समृद्धि बनाए रख सकें। चलिए इन टिप्स के बारे में जानते हैं विस्तार से।

किचन की सही दिशा

वास्तु के अनुसार, किचन के लिए सबसे अच्छा स्थान घर के दक्षिण-पूर्व में होता है। अगर यह संभव न हो, तो उत्तर-पश्चिम दिशा में भी किचन बनाई जा सकती है। कोशिश करें कि रसोई घर के उत्तर-पूर्व हिस्से में न बने, क्योंकि यह पूजा और शांति का स्थान माना जाता है।

चूल्हे की दिशा

जानकारों के अनुसार खाना बनाते समय रसोई में चूल्हा हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए, और कुकिंग करते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। इससे पॉजिटिव एनर्जी बनी रहती है और घर के सदस्यों की सेहत अच्छी रहती है।

पानी और सिंक की जगह

वास्तु के जानकारों के अनुसार किचन में पानी का स्थान उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए, क्योंकि यह जल तत्व का स्थान है। चूल्हे और पानी के सिंक को एकदम पास न रखें, क्योंकि अग्नि और जल तत्व के बीच टकराव जीवन पर निगेटिव असर डाल सकता है।

किचन में रंगों का चयन

वास्तु शास्त्र के अनुसार किचन में में हल्के और गर्म रंग जैसे पीला, नारंगी, क्रीम या हल्का गुलाबी रंग अच्छा माना जाता है। काले और गहरे रंगों से बचें, क्योंकि यह नकारात्मकता बढ़ा सकते हैं।

किचन में साफ-सफाई

किचन को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखें और साथ ही जूठे बर्तन रातभर न छोड़ें और साथ ही टूटा-फूटा सामान रसोई से तुरंत बाहर करें। गंदगी और अव्यवस्था से निगेटिव एनर्जी बढ़ती है।

किचन में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स

वास्तु एक्सपट्र्स के अनुसार माइक्रोवेव, ओवन या मिक्सर-ग्राइंडर जैसी चीजें भी दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना सबसे उचित होता है। आपको हर कीमत पर इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि आप इन गैजेट्स को उत्तर-पूर्व दिशा में रखने से बचें।

क्या छिपकली के गिरने से दूध हो जाता है जहरीला?

जानें क्या है सच

भारतीय समाज में ये मान्यता है कि यदि दूध में छिपकली गिर जाए तो उसे पीना नहीं चाहिए। कहा जाता है कि छिपकली के गिरने से दूध जहरीला हो जाता है। इसकी सच्चाई क्या है चलिए जानते हैं। डॉक्टर्स के अनुसार, सबसे पहले तो इस भ्रांति को साफ कर दें कि छिपकली के दूध में गिरने से किसी की मौत हो जाती है। ऐसा कभी नहीं होता। डॉक्टर्स की मानें तो छिपकली के शरीर में जहर होने की बात भी सही नहीं है। उन्होंने बताया कि छिपकली के दूध में गिरने से स्वास्थ्य को नुकसान होने का कारण दूसरा है। छिपकली कई जगहों पर घूमती है। उसके शरीर पर गंदगी बैठ जाती है। इस वजह से दूध गंदा हो जाता है। लोगों के तबियत खराब होने की

बात पर डॉक्टर्स कहना है कि फैली हुई भ्रांति की वजह से लोग बहुत डर जाते हैं। इस डर की वजह से कई बार लोगों को चक्कर आने लगते हैं। इसके साथ ही दूध में थोड़ी गंदगी होने की वजह से पेट में दर्द या दस्त लग सकते हैं, हालांकि इससे किसी की मौत नहीं हो सकती। छिपकली की वजह से दूध जहरीला हो जाने की बात पूरी तरह गलत है।

हिन्दू धर्म में शादी के बाद महिलाएं मंगलसूत्र पहनती हैं और ये महिलाओं के श्रृंगार का ही एक पार्ट है। हिन्दू धर्म में शादी के बाद मंगलसूत्र पहनना शादीशुदी होने का प्रतीक भी माना जाता है। दुल्हन को मंगलसूत्र पहनाना शादी की प्रमुख रस्मों में से एक है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, मंगलसूत्र को एक महिला के लिए सुहाग की निशानी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि शादी के बाद मंगलसूत्र पहनने से पति की आयु लंबी बनी रहती है। शादी के बाद पति-पत्नी के रिश्तों को जोड़कर रखने वाला धागा ही मंगलसूत्र होता है, इसलिए हिंदू धर्म में मंगलसूत्र पहनना बेहद ही शुभ माना जाता है।

हिंदू धर्म में महिलाएं शादी के बाद क्यों पहनती हैं मंगलसूत्र?

शास्त्रों के अनुसार, शादी के बाद भगवान शिव और पार्वती सुहाग की रक्षा करते हैं। मंगलसूत्र कई जगहों पर पीले धागे से बनता है। मंगलसूत्र में पीले रंग का होना भी जरूरी है। पीले धागे में काले रंग के मोती पिरोए जाते हैं। कहा जाता है कि काला रंग शनि देवता का प्रतीक होता है। ऐसे में काले मोती महिलाओं और उनके सुहाग को बुरी नजर से बचाते हैं। पीला रंग बृहस्पति ग्रह का प्रतीक होता है जो शादी को सफल बनाने में मदद करता है। मंगलसूत्र का पीला भाग पार्वती माता और काला भाग भगवान शिव का प्रतीक होता है। हिन्दू परंपराओं के अनुसार, एक मंगलसूत्र में 9 मनके होते हैं, जो ऊर्जा के 9 विभिन्न रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये ऊर्जाएं पत्नी और पति को किसी भी बुरी नजर से बचाती हैं। इन मोतियों को सभी तत्वों वायु, जल, पृथ्वी और अग्नि की शक्ति के लिए भी जाना जाता है। ये 4 तत्व स्त्री और पुरुष के बीच के रिश्ते को मजबूत बनाए रखने में मदद करते हैं।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में काफी ज्यादा महत्व होता है। कहा जाता है अगर चीजें सही तरीके से की जाए तो उसके परिणाम काफी सकारात्मक होते हैं वहीं, अगर चीजों को करने के तरीके में कोई खराबी हो या फिर उसे गलत तरीके से किया जाए तो इसका काफी नकारात्मक असर हमारे जीवन पर पड़ता है। वास्तु शास्त्र में हर तरह की समस्या के लिए उपाय बताये गए हैं। इसमें आपको छोटी से छोटी समस्या से लेकर बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान मिल जाएगा। आज की यह आर्टिकल उन लोगों के लिए काम की साबित होने वाली है जिनके बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता है या फिर पढाई करने के दौरान उनका मन भटक जाता है। आज हम आपको बताने वाले हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार बच्चों की पढाई करने के लिए किस दिशा को सबसे बेस्ट माना जाता है। तो चलिए जानते हैं।

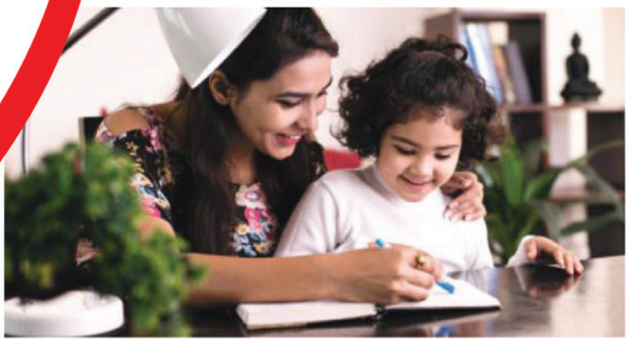

बच्चों की पढ़ाई के लिए कौन सी दिशा है सबसे बेस्ट?

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो एक पॉजिटिव वातावरण में अगर बच्चे पढ़ाई करने बैठे तो ऐसे में वे ज्यादा बेहतर तरीके से फोकस कर पाते हैं केवल यहीं नहीं, उनमें उत्साह का भी संचार होता है। ऐसे में बच्चे किस जगह बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं इस बात का ख्याल माता-पिता के लिए रखना बेहद जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र की अगर माने तो बच्चे जिस जगह पढाई करने बैठ रहे हैं वह बिलकुल शांत और स्वच्छ होनी चाहिए। केवल यहीं नहीं, उनका स्टडी टेबल भी सही दिशा में होना चाहिए। वास्तु शास्त्र की अगर माने तो बच्चों के कमरे में अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से उनका ध्यान भटक सकता है। बच्चों के कमरे में शांत और मोटिवेटिंग रंगों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार बच्चों के पढाई करने के लिए पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशाओं को सबसे बेस्ट माना गया है। लेकिन, इनके अलावा भी कुछ दिशाएं हैं जिनमें बच्चे पढाई कर सकते हैं। पूर्व दिशा में क्यों करें पढाई : अगर आप सोच रहे हैं कि बच्चों को पढाई करने के लिए पूर्व दिशा किस तरह से शुभ हो सकता है तो बता दें, इस दिशा में ही सूर्योदय होता है जिस वजह से यह दिशा कंसंट्रेशन, एनर्जी और नॉलेज प्रोवाइड करती है। अगर आपका बच्चा सुबह उठकर पढाई करता है तो ऐसे में यह दिशा सबसे बेस्ट माना जाता है। पश्चिम दिशा में पढाई : इस दिशा में सूर्यास्त होता हैं जिस वजह से अगर आपके बच्चे इस तरफ चेहरा करके पढाई करें तो उनमें सोचने की शक्ति और क्रिएटिविटी को बढ़ावा मिलता है। अगर आपके बच्चे को आट्र्स या फिर म्यूजिक में दिलचस्पी है तो यह दिशा सबसे बेस्ट है।

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी स्लैब में बदलाव केंद्र सरकार का ऐतिहासिक फैसला -आशीष

भाटापारा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 15 अगस्त को जीएसटी स्लैब में बदलाव की घोषणा की गई थी जिसके तहत 22 सितंबर को जीएसटी स्लैब में लिए गए परिवर्तन के निर्णय का प्रभाव देखने को मिलेगा। पूर्व नेता प्रतिपक्ष आशीष जायसवाल ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि जीएसटी स्लैब में हुए परिवर्तन का लाभ न केवल व्यापारियों को बल्कि आम जनता को भी प्रत्यक्ष रूप से मिलेगा।। लगभग 175 से अधिक दैनंदनी उपभोग की वस्तुओं के मूल्य में कमी आएगी,पहले बार आम जनता के उपयोग की आवश्यक वस्तुओं जैसे गंभीर बीमारियों से संबंधित दवाएं बच्चों की शिक्षण सामग्री आदि को जीएसटी मुक्त कर दिया गया है ।। नए संशोधनों के पश्चात 12त्र और 28त्र जीएसटी स्लैब समाप्त हो जाएगा और केवल 5त्र और 18त्र के अंतर्गत समस्त उत्पाद आएंगे।। तंबाकू और विलासिता की वस्तुओं में सीधे 40त्र का स्लैब प्रभावी रहेगा ,वही स्वास्थ्य की ओर जागरूकता फैलाने के दृष्टिकोण से व्यक्तिगत हेल्थ केयर में भी छूट प्रदान की गई है। देश के व्यापारिक संगठनों द्वारा समय-समय पर जीएसटी काउंसिल को लगातार परामर्श दिया जा रहा था जिसके फ्लस्वरुप देश के यशस्वी प्रधानमंत्री के निर्देश पर जीएसटी स्लैब में परिवर्तन कर केंद्र सरकार ने बड़ा ऐतिहासिक फैसला लिया है ।।अक्टूबर माह में देश के सबसे बड़े त्यौहार दीपावली में बड़े स्तर पर व्यापारियों द्वारा उत्पाद की खरीदी बिक्री की जाती है इसी तरह फुटकर दुकानदारों से आम जनता व किसानो द्वारा बड़ी मात्रा में क्रय विक्रय किया जाता है ऐसी स्थिति में जीएसटी स्लैब में हुए परिवर्तन का प्रभाव 22 सितंबर से दिखाई देने लगेगा और जिसका प्रत्यक्ष लाभ दीपावली के पूर्व व्यापारियों,किसानों एवं आम जनता को मिलेगा ।

पशुओ के देखभाल को लेकर विभाग लगा रहा शिविर

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला पशु चिकित्सालय गरियाबंद के तत्वाधान मे पशुओ मे वर्षा ऋतू मे होने वाले विभिन्न मौसमी और संक्रामक बीमारियों की रोकथाम हेतु अंचल के सभी ग्रामो मे निशुल्क पशु चिकित्सा शिविरो का आयोजन किया जा रहा है इन शिविरो मे सभी पालतू पशुओ जैसे गौवंश, भैसवंश, बकरी, सुवर, एवं मुर्गी प्रजाति के पशु /पक्षियों का कृमिनाशक दवापान,किलनीनाशक दवा छिड़काव, औषधि वितरण, उपचार किया जा रहा है अभी तक ग्राम पंचायत रावणडिग्गी, खुर्सीपार,सढोली, तवरबाहरा, डोंगरीगाँव, खरता,पारागाँव मे शिविर का आयोजन किया जा चूका है जिसमे इन ग्रामो के सैकड़ो पशुपालको लाभावित हुए है आने वाले दिनों मे भी सभी ग्रामो मे शिविर का आयोजन प्रस्तावित है, गौरतलब है की विकासखंड गरियाबंद के सभी ग्रामो मे संक्रामक बीमारियों जैसे गलघोटू, एकटगिया, का टीकाकरण पूर्ण हो चूका है,इन शिविरो के संपादन मे जिला पशु चिकित्सालय गरियाबंद के प्रभारी डॉ तामेश कँवर के नेतृत्व मे यशवंत साहू, परमेश्वर नाग, गिरेश यादव, नीलेश धीवर, देवेंद्र साहू, जागेश्वर नेताम, छत्रपाल कश्यप आदि कर्मचारियों का सहयोग रहा.

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की ऑल-न्यू विक्टोरिस, गॉट इट ऑल

नई दिल्ली: भारतीय एसयूवी सेगमेंट को नए सिरे से परिभाषित करते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने आज अपनी नवीनतम एसयूवी विक्टोरिस लॉन्च की। नए मानक स्थापित करने के उद्देश्य से तैयार की गई विक्टोरिस हाइपर-कनेक्टेड टेक्नोलॉजी, ऑल-राउंड सेफ्टी, भविष्यवादी और स्लीक डिज़ाइन तथा रोमांचक परफ़ॉर्मेंस का संगम है, जो वास्तव में एक ऐसी एसयूवी है जिसमें है 'गॉट इट ऑल'। पेट्रोल विद स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड, ऑलग्रिप सेलेक्ट (4×4) और सेगमेंट-फर्स्ट अंडरबॉडी टैंक डिज़ाइन वाली पर्यावरण-हितैषी S-CNG टेक्नोलॉजी के साथ उपलब्ध, विक्टोरिस आज के डायनामिक युवाओं के लिए व्यापक पावरट्रेन विकल्प प्रदान करती है। ग्राहक नई विक्टोरिस की बुकिंग 11,000 रुपये में कर सकते हैं। विक्टोरिस का परिचय कराते हुए मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री हिसाशी ताकेउचि ने कहा, नए दौर का भारतीय ग्राहक युवा है, दुनिया घूमा हुआ है, हाइपर-कनेक्टेड है, सामाजिक रूप से जागरूक है, तकनीकी रूप से प्रगतिशील और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है। ऐसे ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हमारी नई एसयूवी विक्टोरिस को ज़रूरी तौर पर 'गॉट इट ऑल' होना था।

युवा संसद में छात्रों की जोरदार बहस, गूंजे लोकतंत्र के स्वर

नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में हुआ क्षेत्रीय युवा संसद का आयोजन

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। पीएमश्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में बुधवार को 27वीं क्षेत्रीय युवा संसद का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमामयी वातावरण में किया गया। भोपाल संभाग स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के विभिन्न नवोदय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में राजनांदगांव सांसद संतोष पांडे, पूर्व विधायक विनोद खांडेकर, सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य एवं छग माध्यमिक शिक्षा मंडल के सदस्य प्रकाश यादव, नवोदय समिति भोपाल के सहायक आयुक्त लेखराज मीणा, जेएनवी दमोह के प्राचार्य अशोक त्रिपाठी और जेएनवी विदिशा के प्राचार्य जितेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे।

सांसद संतोष पांडे ने छात्रों को संबोधित करते हुए संसदीय व्यवस्था की बारीकियों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि भारत अपने संविधान और नियमों के दम पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशनों से लेकर वैश्विक मंचों पर भारत की मजबूती, इन सबके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था की ही ताकत है।

कार्यक्रम में जेएनवी बिलासपुर, महासमुंद और कोरापुट (ओडिशा) के विद्यार्थियों ने संसद की कार्यवाही का अनुकरण करते हुए विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की। शिक्षा और स्वास्थ्य सुधार, पर्यावरण संरक्षण, महिला सुरक्षा, सामाजिक न्याय, संचार साधनों की भूमिका जैसे विषयों पर गहन और तार्किक बहस हुई। छात्रों की प्रस्तुति ने मौजूद अतिथियों और शिक्षकों को प्रभावित किया।

डोंगरगढ़ विद्यालय के प्राचार्य एसके मंडल ने कहा कि युवा संसद जैसे आयोजनों से छात्रों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और लोकतांत्रिक समझ विकसित होती है।

पूर्व विधायक विनोद खांडेकर ने भी छात्रों की प्रस्तुति को सराहते हुए कहा कि नवोदय विद्यालय के छात्र हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम का संचालन राम कुमार चंद्रा ने किया, जबकि वरिष्ठ शिक्षक ओम प्रकाश चौरसिया ने आभार प्रदर्शन किया। आयोजन को सफल बनाने में स्नेह अग्रवाल, अनिल कुमार पाल, दीपचंद चौरसिया, कृष्ण कुमार, जानकी उईके सहित पूरे स्टाफ का सहयोग रहा। अशोक कुमार बिसेन ने खान-पान का प्रबंध बहुत अच्छे से किया।

दमोह के प्राचार्य अशोक त्रिपाठी की विशेष भूमिका को लेकर डोंगरगढ़ के प्राचार्य संजय मंडल ने आभार जताया। उन्होंने विदिशा के प्राचार्य जितेंद्र मिश्रा को युवा संसद में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए धन्यवाद दिया। पूरा कार्यक्रम नवोदय विद्यालय समितिए क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल के सहायक आयुक्त लेखराज मीणा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अंत में सांसद संतोष पांडे, पूर्व विधायक विनोद खांडेकर और मीडिया से जुड़े सभी पत्रकारों को विद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद दिया गया।

अपर कलेक्टर ने स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण

जलभराव की स्थिति में विशेष सतर्कता बरतने के दिये निर्देश

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। जिले में विगत दिनों हुई तेज बारिश को देखते हुए कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर अपर कलेक्टर अवध राम टंडन ने गुरुवार को विकासखंड बलौदाबाजार अंतर्गत स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिये। उन्होने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जुड़ा और अहिल्दा का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल परिसर में जलभराव को देखते हुए उक्त दोनों स्कूल परिसरों में कैनाल का पानी बस्ती से होते हुए स्कूल परिसर में करीब 2 फीट तक जलभराव हो गया था। इस जलभराव को देखते हुए स्कूल में छुट्टी दे दी गई थी। इसके पश्चात् बलौदाबाजार शहर अंतर्गत संचालित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 02 रवीन्द्रनाथ टैगोर वार्ड, क्रमांक 03 शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड, क्रमांक 04 रानी लक्ष्मी बाई वार्ड, क्रमांक 05 राममनोहर लोहिया वार्ड, क्रमांक 08 इंदिरा गांधी वार्ड और क्रमांक 12 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड का निरीक्षण किया।उन्होने कम उपस्थिति पर आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की अधिकतम उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिका को निर्देशित किया।

सक्रिय पत्रकार संघ छत्तीसगढ़ का पत्रकार एकता सम्मेलन आज

कोरबा/बिलासपुर । सक्रिय पत्रकार संघ छत्तीसगढ़ का एक दिवसीय जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन दिनांक 05/09/2025 दिन शुक्रवार यानी आज सुबह 10 बजे से फॉरेस्ट रेस्ट हाउस कसनियां, कटघोरा में होगा । कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मुख्य अतिथि डॉ पवन कुमार सिंह जिला अध्यक्ष,जिला पंचायत कोरबा एवं श्री प्रकाश चंद्र जाखड़, जनपद उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत पोड़ी उपरोड़ा होंगे एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्री मोहित राम केरकेट्टा पूर्व विधायक पाली तानाखार , श्री राज जायसवाल , अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कटघोरा, श्री नरेंद्र साहू ए टू जेड सर्विस एवं समाजसेवी, श्री कुमार निशांत वन परिक्षेत्राधिकारी कटघोरा,श्री प्रदीप जायसवाल पूर्व जनपद सदस्य,श्री बजरंग पटेल पूर्व उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद कटघोरा , श्री कुलदीप मरकाम विधायक प्रतिनिधि पाली तानाखार होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सक्रिय पत्रकार संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष गणेश दास महंत करेंगे। सम्मेलन में उन पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने अपने उत्कृष्ट लेखन शैली एवं कार्य शैली से समाज में एक अलग पहचान बनाई है। पत्रकार एकता सम्मेलन आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना है पत्रकारों के बीच एकता बढ़ाना और संगठन को और अधिक प्रभावी बनाना । कार्यक्षेत्र में आने वाले विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करना जैसे पत्रकारों को न्यूज़ कवरेज के दौरान आने वाली समस्याओं और चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा नई इकाइयों का गठन के संबंध में चर्चा जैसे किसी क्षेत्र या तहसील में पत्रकार एकता संघ की नई इकाईयों के गठन की घोषणाएं की जाती हैं, जिससे जमीनी स्तर पर काम मजबूत होता है इन सभी विषयों पर कार्यक्रम में चर्चा की जाएगी । इस कार्यक्रम में मुख्यत: पत्रकारों को प्रोत्साहित और सम्मानित करना है ताकि पत्रकार एकता सम्मान समारोह में सम्मानित किए जाने से पत्रकारों को प्रोत्साहन मिलेगा और वे अपने काम में और भी उत्कृष्टता लाने का प्रयास करेंगे जिससे पत्रकारिता के क्षेत्र में सुधार होता है, क्योंकि सम्मानित किए जाने वाले पत्रकार अपने काम में उत्कृष्टता लाने का प्रयास करते हैं। साथ ही पत्रकार एकता से सामूहिक शक्ति का निर्माण होता है, जिससे पत्रकार अपने अधिकारों और हितों की रक्षा कर सकते हैं, पत्रकार एकता से साझा लक्ष्य की प्राप्ति होती है, जैसे कि पत्रकारिता की गुणवत्ता में सुधार और पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा,समर्थन और सहयोग ,पत्रकार एकता से समर्थन और सहयोग मिलता है, जिससे पत्रकार अपने काम में सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस कर सकते हैं। संगठन में जुड़े रहने से पत्रकारिता की गुणवत्ता पत्रकार एकता से पत्रकारिता की गुणवत्ता में सुधार होता है, क्योंकि पत्रकार एक दूसरे से सीखते हैं और अपने काम में सुधार करते हैं। पत्रकार एकता से पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा होती है, और इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और काम करने की सुरक्षा मिलेगा ।

निर्मलकर समाज के तीज उत्सव में बिखरी खुशियां

यशोदा निर्मलकर बनी तीज [ीन, अन्य प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने साबित की अपनी प्रतिभा

दुर्ग (समय दर्शन)।। नगर निर्मलकर (धोबी रजक) समाज द्वारा कसारीडीह सिविललाईन स्थित सामाजिक भवन में आयोजित तीज मिलन समारोह में जमकर खुशियां बिखरी। इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं में समाज की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा साबित की।कार्यक्रम में निगम महापौर अलका बाघमार बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई। अध्यक्षता राष्ट्रीय रजक महासंघ के उपाध्यक्ष प्रभुनाथ बैठा ने की। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एवं समाज की गौरव रजनी रजक समारोह में विशेष रुप से मौजूद रही। तीज मिलन समारोह में महापौर अलका बाघमार ने महिलाओं को तीज पर्व की बधाई दी और उनकी एकजुटता व प्रतिभा की सराहना की। इस दौरान समाज के पदाधिकारियों की मांग पर महापौर द्वारा सामाजिक भवन कसारीडीह में चेकर टाइल्स लगवाने, उतई टेंपो स्टैण्ड चौक में समाज के संत शिरोमणि गाडगे महाराज की मूर्ति स्थापना व उनके नाम पर चौक का नामकरण करने पर अपनी सहमति दी गई। वहीं राष्ट्रीय रजक महासंघ के उपाध्यक्ष प्रभुनाम बैठा द्वारा बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। इस दौरान श्री बैठा ने अपने उद्बोधन में समाज की महिला कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा समारोह में ड्रेस कोड का अनुसरण करने की तारीफकी गई और भविष्य में भी अन्य सदस्यों से ड्रेस कोड का अनुसरण करने अपील की गई।

समारोह में तीज स्वीन, बिंदी लगाओ प्रतियोगिता, कुर्सी दौड़, गोली चम्मच दौड़, छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाओ प्रतियोगिता के अलावा अन्य प्रतियोगिताएं आकर्षण का केन्द्र रही। प्रतियोगिताओ में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा साबित की।

तीज क्वीन यशोदा निर्मलकर बनी। इसके अलावा अन्य प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी महिलाओं को समाज के संरक्षकों द्वारा पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया। मंच संचालन समाज की गौरव रजनी रजक ने किया। समारोह में समाज के संरक्षक नारायण निर्मलकर, गणेश निर्मलकर, प्रेमशंकर, राजीव, चंद्रिका निर्मलकर, शिवशंकर निर्मलकर, समाज के अध्यक्ष ईश्वर निर्मलकर, ओमप्रकाश निर्मलकर, रोहित, मधु, दिलीप, विकास, अनिल, सरस, दीनानाथ सर्वा, राजूलाल,संदेशवाहक, शत्रुघ्न निर्मलकर, जानू , विजय, महिला कार्यकारिणी सदस्य कामती निर्मलकर, ज्ञानेश्वरी निर्मलकर, भारती सर्वा, वर्षा निर्मलकर, मौशमी निर्मलकर के अलावा समाज के पुरुष व महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए। समाज के युवा वर्ग ने भी समारोह में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

सीएट ने की ऑफहाईवे मोबिलिटी में अपने अगले बड़े कदम की शुरुआत, कैमसो ब्रांड कॉम्पैक्ट कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट बिजनेस अब इस यात्रा में शामिल

मुंबई: सीएट लिमिटेड ने मिशेलिन ग्रुप के कैमसो कंस्ट्रक्शन कॉम्पैक्ट लाइन बिजनेस को आधिकारिक रूप से हासिल करके अपनी ऑफ-हाईवे टायर्स (ओएचटी) विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस अधिग्रहण में उनका श्रीलंका स्थित मिडिगामा प्लांट और कोटुगोडा में कास्टिंग प्रोडक्ट प्लांट शामिल है। यह सौदा सीएट को कैमसो ब्रांड का वैश्विक स्वामित्व भी देता है, जिसे तीन साल की लाइसेंसिंग अवधि के बाद सभी श्रेणियों में स्थायी रूप से सौंपा जाएगा। कैमसो ब्रांड का सीएट द्वारा अधिग्रहण, उच्च-मार्जिन वाले ओएचटी सेगमेंट में एक अग्रणी वैश्विक खिलाड़ी बनने की उसकी यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर है। पिछले एक दशक में, सीएट ने एक मजबूत कृषि पोर्टफोलियो बनाया है, और कॉम्पैक्ट कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ट्रैक्स और टायर्स में कैमसो की विशेषज्ञता के साथ, संयुक्त ताकतें 40 से अधिक वैश्विक ओईएम और प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय ओएचटी डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए दरवाजे खोलती हैं। मिशेलिन कॉम्पैक्ट लाइन बायस टायर्स और कंस्ट्रक्शन ट्रैक्स से संबंधित गतिविधियों से बाहर हो जाएगी। श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त, महामहिम संतोष झा ने कहा: मैं श्रीलंका में सीएट लिमिटेड के निवेश के लिए अपनी शुभकामनाएं देना चाहूंगा। भारत हाल के वर्षों में श्रीलंका में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत रहा है और मुझे यह प्रवृत्ति जारी देखकर खुशी हो रही है। दोनों देशों के नेतृत्व द्वारा दोनों देशों के बीच निवेश-नेतृत्व वाली साझेदारी को गहरा किया गया है। यह हमारे लोगों के लिए साझा समृद्धि के भविष्य के निर्माण के उनके दृष्टिकोण का समर्थन करता है। भारत के निजी क्षेत्र के श्रीलंका में निवेश के साथ, मुझे विश्वास है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंध मजबूत होते रहेंगे। सीएट लिमिटेड के एमडी और सीईओ, अर्नब बनर्जी ने कहा: कॉम्पैक्ट कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट बिजनेस का एकीकरण और कैमसो ब्रांड का अधिग्रहण, ऑफ-हाईवे मोबिलिटी में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने के सीएट के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें विश्वास है कि उत्पादों, क्षमताओं और बाजारों में हमारी बढ़ी हुई ताकत हमें नए भौगोलिक क्षेत्रों में प्रवेश करने, हमारे पोर्टफोलियो का विस्तार करने और आने वाले वर्षों में स्थायी विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएगी।

बात समझनी है तो पूरी पढ़नी होगी

नेता प्रतिपक्ष का ढुलमुल रवैया छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की अपूर्णीय क्षति

बिलासपुर (समय दर्शन)। वोट अधिकार यात्रा की तैयारी के संदर्भ में 5 सितंबर को बिलासपुर में कांग्रेस के नेता इकट्ठे हो रहे हैं। बताया जाता है कि बिहार में चल रही यात्रा समाप्त होने के बाद वोट चोर गद्दी छोड़ मामले को छत्तीसगढ़ में भी सिद्ध किया जाना है। इसी संदर्भ में यह बैठक होने वाली है इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत उपस्थित होंगे। रैली की संभावित तारीख 9 सितंबर को, प्रदेश प्रभारी पायलेट भी आएंगे। इसी बीच कांग्रेस मंत्री मंडल में कैबिनेट मंत्री रहे रविंद्र चौबे के एक बयान से प्रदेश की राजनीति गरमाई हुई है। मामला सामूहिक नेतृत्व विरुद्ध भूपेश बघेल के बीच है। पूरे मामले में सवाल यह उठता है कि कांग्रेस को छत्तीसगढ़ में किस तरह के नेतृत्व की जरूरत है और पदों पर बैठे वर्तमान नेता क्या उसे जरूर को पूरा कर रहे हैं तो हम पहला पद प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज विधानसभा लोकसभा चुनाव में ना तो मेहनत किया ना ही मुद्दों को राजनीतिक मंचों पर और जनता के बीच प्रभावी तरीके से उठाया। चुनाव पश्चात भी उनके बदल जाने की खबर इतनी प्रभावी तरीके से उठाई जाती है कि यह बात लगती ही नहीं कि वह प्रदेश अध्यक्ष के पद पर अगले 24 घंटे भी रहेंगे, पर ये कांग्रेस है और दीपक बैज प्रदेश अध्यक्ष हैं। दूसरा महत्वपूर्ण पद जिसके पास एक बड़ा प्रोटोकॉल है और इस पद को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है। नेता प्रतिपक्ष यह पद केवल विधानसभा सत्र के दौरान नहीं 24 घंटे सातों दिन सरकार के कामकाज पर नजर रखने वाला होता है। छत्तीसगढ़ में इस पद पर कांग्रेस के विधायकों ने चरणदास महंत को बैठाला है वे कांग्रेस सरकार के वक्त विधानसभा

अध्यक्ष थे। दो वर्षों में कभी भी ऐसा नहीं लगा कि नेता प्रतिपक्ष प्रदेश सरकार के विरुद्ध कुछ कह रहा है कुछ कर रहा है। उल्टे बार-बार ऐसा लगता है कि छत्तीसगढ़ मंत्रीमंडल विस्तार के पूर्व महंत जी विष्णु साय मंत्रिमंडल के 12वें मंत्री हैं और अब इनका नंबर 15वें मंत्रिमंडल के रूप में आ रहा है।

प्रदेश में कर्मचारियों का आंदोलन हो, शिक्षा विभाग के घोटाले हो, बद से बत्तर कानून व्यवस्था की स्थिति है, ईसाई समाज, मुस्लिम समाज पर सरकार की बढ़ती हुई शक्ति हो किसी पर भी नेता प्रतिपक्ष ने ऐसा बयान नहीं दिया कि वह अखबार की हेडलाइन बन जाए। सब कुछ दोस्ताना तरीके से फ्रेंडली फुटबॉल मैच खेला गया यहां तक की एक से अधिक मौकों पर नेता प्रतिपक्ष ने अपने ही टीम पर गोल मारे। विधानसभा सत्र के दौरान भी, कांग्रेस रैली की तैयारी कर रही है। नेता प्रतिपक्ष की एक नुक्कड़ सभा ही रख ली जाए और परख लिया जाए कि उन्हें कौन सुनने आता है। चुनाव जीत लेने से कोई जन नेता नहीं बन जाता लगातार जीतने से उलटे यह सिद्ध होता है कि सब कुछ मिली जुली नूराकुश्ती है। इस नूराकुश्ती में अपनी सीट बचाने के चक्कर में क्या कुछ नहीं दे दिया जाता है। कभी हाई कमान को फुर्सत हो तो छत्तीसगढ़ की समीक्षा करके देख लें। नक्सली संबंधों को लेकर अजीत जोगी पर बहुत कुछ टीका टिप्पणी की जाती है पर महंत जी की एक अदा ही बहुत कुछ बता देती है याद करें झीरम कांड के वक्त जब अजीत जोगी राज्यपाल शासन की मांग करते हुए राज भवन तक गए थे तब महंत जी कवासी लखमा के पलंग के किनारे क्या कहते हुए कैमरे पर पकड़े गए थे पर अजीत जोगी की बड़ी समाचार वैल्यू थे इसी कारण महंत जी की अदा मैनेज हो गई और शंका की सी बार-बार जोगी की और मोड़ दी जाती रही। महंत जी का ढुलमुल नेतृत्व कांग्रेस को अपूरणीय क्षति पहुंचा रहा है अंदाज रखें पूरे प्रदेश में भाजपा बे मतलब के मुद्दे प्रधानमंत्री की मां का अपशब्द को लेकर पत्रकार वार्ता, पुतला दहन कर रहा है पर नेता प्रतिपक्ष चुप है।

खबर-खास

गरियाबंद जिले में पंचायतों को राशि वितरण को लेकर सरपंच संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के पाँचों ब्लॉक गरियाबंद,छुरा, फिंगेश्वर,मैनपुर और देवभोग के समस्त पंचायतों के सरपंचों ने आज जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सरपंच संघ ने बताया कि 3 मार्च 2025 को शपथ ग्रहण के बाद भी अब तक पंचायतों को 15वां वित्त आयोग एवं मूलभूत मद की राशि प्राप्त नहीं हुई है। ज्ञापन में कहा गया कि राशि वितरण में विलंब के कारण पंचायतों में स्वच्छता अभियान,नल-जल योजना,प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।पूर्व में मध्य क्षेत्र प्राधिकरण एवं आदिवासी विभाग द्वारा प्रथम किस्त के रूप में 40 प्रतिशत राशि अग्रिम दी जाती थी,किंतु वर्तमान व्यवस्था के अनुसार अब कार्य पूर्ण होने के बाद ही शत प्रतिशत राशि जारी की जाएगी। सरपंच संघ का कहना है कि यह व्यवस्था पंचायतों एवं सरपंचों के हित में नहीं है और इससे ग्रामीण स्तर पर विकास कार्य ठप पड़ रहे हैं। इस अवसर पर पन्नालाल ध्रुव (अध्यक्ष, सरपंच संघ छुरा),कोमल ध्रुव (अध्यक्ष,सरपंच संघ गरियाबंद), नरेंद्र कुमार ध्रुव (सरपंच ग्राम पंचायत दसपुर एवं चुम्मन ध्रुव उपाध्यक्ष,सरपंच संघ गरियाबंद), थानेश्वर मांडवी (सरपंच ग्राम पंचायत सजापाली), जगबाई ध्रुव (उपाध्यक्ष,सरपंच संघ छुरा),गोदावरी दीवान (सरपंच मुड़ा गांव),आत्मा ध्रुव (सरपंच ग्राम पंचायत आमदी),हीराबाई ध्रुव (सरपंच घुटकू नवापारा),शिवकुमारी (सरपंच ग्राम पंचायत मंजरकट्टा) सहित अनेक सरपंच उपस्थित थे।

सरपंच संघ ने मांग की है कि शीघ्र ही 15वां वित्त आयोग एवं मूलभूत मद की राशि पंचायतों में जमा की जाए तथा मध्य क्षेत्र प्राधिकरण की पूर्व व्यवस्था के अनुसार ही अग्रिम किस्त जारी की जाए, ताकि ग्राम पंचायतों में विकास कार्य सुचारु रूप से संचालित हो सकें।

लुट के मामले में 3 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। 3 सितम्बर को प्रार्थी डालसिंग सेन पिता चन्द्राहास सेन उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम खुडियाडीह थाना छुरा ने थाना छुरा आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि, 2 सितम्बर को ग्राम परसदा घर से अपने पुराना घर ग्राम खुडियाडीह शाम करीबन 6:30 बजे जा रहा था। तभी रास्ते में एक व्यक्ति ने ग्राम परसदा हास्टल हनुमान मंदिर के आगे मुख्य मार्ग में लिफ्ट मांगने के बहाने गाड़ी रोका तो वह व्यक्ति गाड़ी के चाबी को खिच कर निकाल लिया और तीन अन्य व्यक्ति जंगल से निकलकर आये और आवेदक के टेकनों कंपनी के एक नग मोबाईल को लूट की आवेदन पर थाना छुरा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।थाना प्रभारी छुरा को मुखबिर से सूचना मिला कि आरोपीगन लूटे हुए मोबाईल को बेचने के उद्धेश्य से घूम रहे है।तीन आरोपियों को उसी दौरान थाना छुरा टीम के द्वारा घेराबंदी कर लुटे हुऐ मोबाईल के साथ पकड़ लिया गया. आरोपीगण से पूछताछ किये जाने पर लूट की घटना को अंजाम देना स्वीकार करते हुए अपना नाम कैलाश साहू पिता पवन साहू उम्र 20 साल निवासी कनेकेरा थाना व जिला महासमुंद,लक्ष्मण साहू पिता महेश साहू उम्र 21 साल निवासी रजकट्टी थाना फिंगेश्वर जिला गरियाबंद और मुकेश टाण्डेकर पिता नीलकंठ टाण्डेकर उम्र 20 वर्ष निवासी नवाडीह थाना छुरा का होना बताया गया. आरोपीगण को गिरफ्तार करते हुए न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

न्यायालय तहसीलदार बसना-जिला-महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //
क्रमांक /91/ क्र./वा-1/तह./2023
दिनांक 01.09.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया है कि आवेदक / आवेदिका पुनीराम पिता/पति भोजराम -निवासी ग्राम/नगर बसना तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक / आवेदिका अपने स्वयं/पुत्र/पुत्री/पिता दादी खेदनबाई का दिनांक 03.08.2010 को स्थान बसना में जन्म / मृत्यु हुआ है। उक्त मृत्यु का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं /पुत्र/पुत्री/माता / पिता दादी खेदन बाई के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार का आपेक्ष / दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 15. 09.25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

अतः आज दिनांक 01.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
बसना

भारतीय मजदूर संघ ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

एक सप्ताह में मांग पूरी नहीं होने पर होगा आंदोलन

कवर्धा/पंडरिया (समय दर्शन)। भारतीय मजदूर संघ की पंडरिया इकाई ने गुरुवार को कारखाना प्रबंधन के खिलाफ11 सूत्रीय माँग पत्र सौंपा। संघ का आरोप है कि कई महीनों से श्रमिकों के साथ भेदभाव किया जा रहा है तथा पूर्व में हुए समझौतों का पालन नहीं किया जा रहा है। कारखाना के मेंटनेंस कार्य सभी सेक्शन प्रमुखों को अपने सेक्शन में रह कर मेंटनेंस कार्य करवाना चाहिए। संघ ने कहा है कि यदि माँगों का समाधान 7 दिनों के भीतर नहीं किया गया तो चरणबद्ध आंदोलन किया जायेगा और इसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी कारखाना प्रबंधन की होगी।

संघ की 11 सूत्रीय मांगों में प्रमुख रूप से वर्षों से कार्यरत् समस्त ठेका श्रमिकों की वापसी दिनांक पर वरीयता क्रम में अतिशीघ्र वर्तमान सत्र में वापसी लिया जावे। अन्यथा भारतीय मजदूर संघ उग्र आंदोलन करने बाध्य होगा। संघ ने कहा है कि माह जून 2025 से यह देखा जा रहा है कि कारखाना प्रबंधन द्वारा पेमेंट डालने के संबंध में ठेका श्रमिकों के साथ भेद-भाव किया जा रहा है। पूर्व में कारखाना प्रबंधन द्वारा संघ के मांग पर सभी कर्मचारियों संविदा कर्मचारी, भूमि कर्मचारी, ओम इंटरप्राईजेस और ठेका श्रमिकों का पेमेंट एक साथ डाला जाता था परंतु माह जून 2025 से ठेका श्रमिकों का पेमेंट रोक कर सभी कार्मचारियों का पेमेंट कर दिया गया है यह स्पष्ट रूप से ठेका श्रमिकों के साथ भेद-भाव को दर्शाता है। यदि माह जुलाई 2025 से समस्त कर्मचारियों/ श्रमिकों का पेमेंट एक साथ नहीं आता है और किसी एक विशेष समुह कर्मचारियों का पेमेंट आ जाता है। तो दुसरे दिन से ठेका श्रमिकों द्वारा कारखाना प्रबंधन को बिना सूचना दिए टूल-डाऊन किया जावेगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी कारखाना प्रबंधन की होगी। माह जून 2025 ठेका श्रमिकों का पेमेंट अतिशीघ्र किया जाए। भारतीय मजदूर संघ पंडरिया द्वारा 16 से 28 अक्टूबर 2024 तक हड़ताल किया गया था और कलेक्टर महोदय की अध्यक्षता में 28.10.2024 को कारखाना प्रबंधन तथा भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधियों के बीच समझौता हुआ और आन्दोलन वापस लिया गया था। समझौता पश्चात पूर्व वर्ष की भांती हड़ताल अवधि का वेतन भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया गया है। कारखाना प्रबंधन द्वारा हड़ताल का पैसा देंगें पर समय नही बतायेंगे इस तर्ज पर गुमराह किया जा रहा है। महाप्रबंधक प्रशासन द्वारा व्हाटसप के माध्यम से लिखित में भी दिया है कि एम.डी. सर बोले है की हड़ताल का पैसा देंगें। यदि हड़ताल अवधि का वेतन अतिशीघ्र जारी नही किया जाता है तो संघ उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा।

हड़ताल अवधि में हुये समझौतों के अनुसार सभी का वेतन वृद्धि किया जाये जो अपने अनुभव योग्यता पूर्ण कर लिये हैं और अनुभव योग्यता पूर्ण करते जा रहे है उनके अनुसार तत्काल वेतन वृद्धि किया जावे। कुछ कर्मचारियों का शेष पेमेंट समझौते के अनुसार माह अक्टूबर 2025 में बढ़ने है उसे माह अक्टूबर 2025 से लागू किया जावे।

साप्ताहिक अवकाश का अतिरिक्त भुगतान के संबंध में पूर्व में भारतीय मजदूर संघ द्वारा सभी श्रमिकों से साप्ताहिक अवकाश (रेस्ट दिवस) में कार्य लेने की मांग की गई थी। उक्त संबंध में कारखाना प्रबंधन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साप्ताहिक अवकाश (रेस्ट) दिवस में काम नहीं लेंगें उक्त दिवस का पेमेंट दिया जावेगा। पेराई सत्र 2024-25 साप्ताहिक अवकाश (रेस्ट) दिवस का अतिरिक्त भुगतान अतिशीघ्र किया जाए। ओम इंटरप्राईजेस को तत्काल कारखाना से हटाया जाए जिससे कारखाना को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके और तकनीकी कर्मचारियों को जो ओम में कार्यरत है सीधे कारखाना या फिर लोकल ठेकेदारों के माध्यम से भुगतान किया जाये। जिससे कारखाना को अतिरिक्त हानि से बचाया जा सके और ये कार्य पूर्व एम.डी. जायसवाल सर ने कर के दिखाया है। ऐसे श्रमिक जिनका कार्य पर वापसी नही हुआ है उन्हे टाइम ऑफिस तक जानकारी पूछने के लिये जाने दिया जावे उन्हे गेट पर ही रोक दिया जा रहा है। वो भी कारखाना का श्रमिक है कोई आतंकवादी नहीं है उन्हे भी अपने बारे में जानकारी पूछने का अधिकार है।

गन्ना विकास अधिकारी को तत्काल कारखाना से हटाए- संघ ने कारखाना को आर्थिक नुकसान से बचाने के उद्देश्य से कारखाना में पदस्थ गन्ना विकास अधिकारी को तत्काल हटाने की मांग की है। जा सके। इनके कारखाना में रहने से कारखाना को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान हो रहा है जैसे पूरे क्षेत्र में अपने कमिशन के चक्कर में खराब गन्ना बीज को मंगा कर लगवाया गया जिससे किसानों और कारखाना को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है जो पुराने गन्ना एक एकड में 500-600 क्विंटल तक का उत्पादन देता था जिसे बंद कर दिया गया और कमिशन खा कर ऐसे गन्ना बीज डलवाया गया है जो प्रति एकड़ अधिकतम 200-250 तक उत्पादन दे रहा है।

आज एनएचएम कर्मचारियों ने सीएमएचओ को सौंपा सामूहिक इस्तीफा

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश भर के एनएचएम कर्मचारी 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। जिला मुख्यालयों में एनएचएम कर्मी अपनी मांगों को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे है। इस दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने हड़ताली कर्मचारियों को दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है और नोटिस भी जारी किया है। राज्य में 381 कर्मचारियों ने राज्य सरकार द्वारा भेजी गई दंडात्मक नोटिस के आगे नहीं झुके और 450 अधिकारी कर्मचारियों ने सीएमएचओ डॉ डीके तुर्रे को सामूहिक इस्तीफा दिया।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित मिरी और प्रांतीय टीम के साथ जिला अध्यक्षों को भी प्रदेश से बर्खास्त की कार्यवाही से प्रदेश भर के संविदा कर्मचारियों ने गुरुवार को अपने अपने जिले में सामूहिक इस्तीफा देकर दमनकारी नीति के विरोध में आक्रोश व्यक्त किया।

इतिहास में पहली बार 16500 कर्मी का एक साथ इस्तीफा- इतिहास में पहली बार प्रदेश में एक साथ स्वास्थ्य विभाग के कोरोना वॉरियर्स दर्जा प्राप्त लोगो का एक साथ 4/9/25 को 16500 एनएचएम कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया। एनएचएम कर्मचारियों के आज के हड़ताल में सामूहिक इस्तीफा सौंपने वालों में संरक्षक प्रदीप सिंह ठाकुर, जिला अध्यक्ष शशिकांत शर्मा, जेम्स जॉन, विनिष जॉय, भास्कर देवांगन,रुपेश साहू, सौरभ तिवारी, संगीता भगत, गेमेश चौधरी, डॉ. मुकुंद राव, डॉ. ममता, डॉ. मुकेश खूंटे, डॉ. दीपक ध्रुव, डॉ. केके जांगड़े, अंशुल थूदगर, आनंद दास, दुर्गेश गुप्ता, चंदन टेकाम, महेंद्र देवांगन, रमेश कौशिक, गौरव सोनी, अंबिका बाशोड, बुद्धेश्वर सिंह, ओमन चंद्रवंशी, वनिता पिस्दा, शिल्पा बक्शी, रामकृष्ण चंद्रवंशी, धुर्वा साहू, ओमन चंद्रवंशी, गिरानी राम ध्रुवे, धर्मराज कौशिक, शैलेंद्र देवांगन, सन्नी केशरवानी, ललिता वर्मा, नेहा चंद्रवंशी, मोनी जायसवाल, विजय कश्यप, अखिलेश पटेल, राजेश साहू, निखिल बांधेकर, सागर, धीरज महोबिया पवन जायसवाल, नेतराम आदि सैकड़ों कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनएचएम हड़ताल : बर्खास्तगी के विरोध में सामूहिक इस्तीफा गरियाबंद में सैकड़ों कर्मियों ने सौंपा त्यागपत्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) छत्तीसगढ़ के अधिकारीङ्ककर्मचारियों ने आज बर्खास्तगी की कार्यवाही के विरोध में सामूहिक इस्तीफा दे दिया।गरियाबंद में सैकड़ों की संख्या में एनएचएम कर्मी तिरंगा चौक पर पहुंचे,जहां पहले उन्होंने पुतला दहन कर जमकर नारेबाजी की। इसके बाद सभी आंदोलनकारी सीएमएचओ कार्यालय पहुंचे और लगभग 450 कर्मचारियों ने एक साथ अपना इस्तीफा सौंप दिया।

ज्ञात हो कि एनएचएम अधिकारीङ्ककर्मचारी 18 अगस्त 2025 से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इससे पहले सरकार ने 10 में से 5 मांगों पर सहमति जताते हुए आदेश भी जारी किए थे, लेकिन हड़ताल जारी रखने पर सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए 25 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। इसी कार्रवाई से आक्रोशित होकर प्रदेशभर के 16 हजार कर्मियों ने आज सामूहिक इस्तीफा देने का निर्णय लिया।

कर्मचारी संघ के अमृत राव भोसले ने कहा बर्खास्तगी के डर से आंदोलन बंद नहीं होगा। लड़ाई जारी रहेगी।बातचीत के दौरान बर्खास्तगी का आदेश आना शर्मनाक है।

गरियाबंद में एनएचएम कर्मियों का गुस्सा फूटा,,,,,,बर्खास्तगी के आदेश की प्रतियां जलाई आंदोलनकारियों ने नारेबाजी करते हुए सरकार के खिलाफ जताया आक्रोश मांगें पूरी न होने तक संघर्ष तेज करने का ऐलान किए।

कर्मचारी संघ का आरोप - सरकार संवाद से बच रही.. एनएचएम अधिकारीङ्ककर्मचारी संघ ने प्रेस नोट जारी कर आरोप लगाया है कि सरकार और प्रशासन मांगों पर संवाद स्थापित करने के बजाय दमनकारी रवैया अपना रहे हैं। प्रेस नोट में लिखा गया कि आंदोलन के दौरान चेतावनी पत्र और बर्खास्तगी के आदेश जितनी तेजी से भेजे जा रहे हैं,यदि उतनी ही गंभीरता से मांगों पर विचार होता तो आज यह स्थिति नहीं आती।यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुबह संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.अमित मिरी ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील की और शाम तक कर्मचारियों को बर्खास्तगी के आदेश जारी कर दिए गए। कर्मचारी संघ ने कहा कि प्रशासन स्वयं चाहता है कि कोई समाधान न निकले और सरकार का कर्मचारियों से संवाद न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सभी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन और तेज किया जाएगा।

आयुक्त ने मूर्ति विसर्जन के लिए तालाबों में कुण्ड बनाने के दिए निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन क्रमांक 04 शिवाजी नगर अंतर्गत मूर्ति विसर्जन हेतु प्रतिबंधित तालाबों एवं उद्यान का निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय वार्ड पार्षद के साथ पहुंचे। निगम आयुक्त ने वार्ड क्रं. 50 बाबा बालकनाथ तालाब का निरीक्षण किया, समीपस्थ बाबा बालक नाथ उद्यान का अवलोकन भी किया गया। वार्ड क्रं. 43 बापू नगर तालाब का अवलोकन कर आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित किया गया है। तालाब में रेलिंग, गेट एवं पाथवे सहित आवश्यक सुधार कराने निर्देशित किया गया है। वार्ड क्रं. 40 मुक्तिधाम में मूर्ति विसर्जन हेतु तालाब का निरीक्षण कर मूर्ति विसर्जन हेतु चिन्हांकित तालाबों में कुण्ड बनाने निर्देशित किया गया है। वार्ड क्रं. 50 में उद्यान का निरीक्षण कर वृक्षारोपण करने निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, सहायक अभियंता प्रिया करसे, उप अभियंता चंद्रकांत साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा उपस्थित रहे।

नवाचार पर जोर, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की समीक्षा बैठक संपन्न

स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका एवं महिला सशक्तिकरण पर बल

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के विकास को नई दिशा देने और आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के सभी 40 संकेतकों (इंडिकेटर्स) पर ठोस प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर बीएस उइके की अध्यक्षता में एवं नीति आयोग के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी शिवम मिश्रा की उपस्थिति में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर,अपर कलेक्टर नवीन भगत,डीपीओ अशोक पाण्डेय सहित संबंधित विभाग के अधिकारी एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।बैठक में स्वास्थ्य,शिक्षा, महिला एवं बाल विकास,कृषि, पशुपालन, आजीविका एवं अन्य विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में श्री मिश्रा ने कहा कि आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम केवल सरकारी योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन भर नहीं है, बल्कि यह आम जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का एक ठोस प्रयास है।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस कार्यक्रम को जनभागीदारी और नवाचार (इनोवेशन) पर आधारित अभियान के रूप में आगे बढ़ाना होगा।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश - बैठक में स्वास्थ्य विभाग के संकेतकों की समीक्षा के दौरान श्री मिश्रा ने जिले में एनक्यूएएस प्रमाणित स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़ाने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों को निर्धारित मानकों पर लाना प्राथमिकता होनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं, शिशुओं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए त्वरित उपचार और सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आधुनिक उपकरणों तथा प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों आवश्यक है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण पर जोर - महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालयों की कमी को प्राथमिकता के आधार पर सभी केंद्रों में शौचालयों का निर्माण कराने को कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं की सुविधा और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

स्वसहायता समूह के माध्यम से आजीविका को बढ़ावा - ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति का आकलन करते हुए नोडल अधिकारी ने कहा कि गरियाबंद जिले में स्व-सहायता समूहों की 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम हैं, इसलिए इनके माध्यम से सूक्ष्म उद्यमों और सामूहिक व्यवसायों को बढ़ावा देने पर काम करना होगा।

विशेष बच्चों के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण - शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान विकलांग बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। श्री मिश्रा ने ब्लॉक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए, ताकि वे दिव्यांग बच्चों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षण सामग्री और पद्धतियां

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //
(जोखिम एवं व्यय पर)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत "डी एवं उच्च" श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "ए" में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड पाटन के निम्नलिखित ग्राम में जल जीवन मिशन अंतर्गत सिंगल विलेज / रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्रमांक	नि.सू.क्र./दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	04/02.09.2025	173671	पाटन	गातापार	16.53
2	05/02.09.2025	174708	पाटन	सांतरा	27.11
3	06/02.09.2025	174710	पाटन	खम्हरिया (पी)	51.07

नोट :- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 08.09.2025 से देखे जा सकते है तथा विड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 22.09.2025 है।

कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी खण्ड, दुर्ग (छ.ग.)

जी- 252603216/2

संक्षिप्त-खबर

राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता के लिए जिले के 07 खिलाड़ी बलौदाबाजार रवाना

महासमुंद (समय दर्शन)। 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025– 26 का आयोजन बलौदाबाजार में 03 से 06 सितंबर तक आयोजित किया गया है जिसमें रायपुर संभाग के खिलाड़ी अंडर 14 वर्ष आयु के बालक एवं बालिका रग्बी फुटबॉल खेल में शामिल होंगे। दल के साथ प्रशिक्षक व्यायाम शिक्षक डॉ. सुनील कुमार भोई एवं बालिका में अंजु प्रजापति शामिल हैं। जिले से सेजेश तुमगांव, पब्लिक स्कूल तुमगांव, शासकीय उच्चतर माध्यम विद्यालय तुशदा के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जगह बनाने में सफलता हासिल किया है। जिले के चयनित खिलाड़ियों में तुमगांव से यथार्थ रात्रे, देवेश साहू, विनय तारक, झलक ध्रुव, भूमि यादव एवं तुसदा बागबाहरा से लवकुमार एवं रजनी खड़िया शामिल हैं। खिलाड़ी तुमगांव खेल मैदान एवं तुसदा स्कूल में रग्बी खेल का नियमित अभ्यास करते हुए संभाग में बेहतर प्रदर्शन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुए हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल जिले के सभी खिलाड़ियों को महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिंहा, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, सहायक क्रीड़ा अधिकारी अंजलि बरमाल, लीलाधर सिंहा, हिना ढालेन, प्राचार्य लोकनाथ दीवान, पब्लिक स्कूल तुमगांव के प्राचार्य सुरेंद्र मानिकपुरी, रितेश अग्रवाल एवं समस्त स्टॉफ प्राचार्य शा उ मा वि तुसदा महेंद्र सिंह मरकाम, व्यायाम शिक्षक अंजु प्रजापति, इंद्राणी भास्कर, पीयूष परोहा, जगदीश धीवर, लिशांसु साहू, शुभांश शर्मा, ओंकार निषाद ने शुभकामनाएं दी।

जलकर नहीं पटाने वाले के घरों का काटा जा रहा है नल कनेक्शन, दो दिन 8 कनेक्शन काटे गए, लगातार जारी रहेगा अभियान, नगर पंचायत पाटन का मामला

पाटन। नगर पंचायत क्षेत्र में रहने वाले लोगों के द्वारा समय पर जलकर नहीं पटाने पर अब उनके घर में लगे नल कनेक्शन की तत्काल काटा जा रहा है। लगातार नगर पंचायत पाटन के मैदानी अपना यह कार्य कर रही है। पिछले दो दिन में 10 घरों का नल कनेक्शन काटे गए। आगे भी यह कार्य जारी रहेगा। अब नगर पंचायत के द्वारा शक्त कदम उठाए जाने के बाद जल कर नहीं जमा करने वाले नगर पंचायत पंचायत पहुंचकर जमा कर रहे है। जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों जिनके घरों का नल कनेक्शन काटे गए उनमें वार्ड 2 में शत्रुघ्न चौहान, घनश्याम वर्मा, वीणा चंद, वार्ड 9 में पोषण, गंगाराम, वार्ड 12 नवल पटेल, वार्ड 15 शोभा राम यादव, वार्ड 5 नोहर यादव, वार्ड 13 रामचंद निर्मलकर, वार्ड 3 लाल चंद देवांगन शामिल है।

शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षको का सम्मान

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में शिक्षक दिवस को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

सर्वप्रथम डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर प्रधान पाठक गफ्फार खान,सरपंच महोदया नोनीबाई और उपस्थित पालकों द्वारा पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई ।

तत्पश्च प्रधान पाठक गफ्फार खान ने सभी का स्वागत कर शिक्षक दिवस की बधाई दी इस दौरान विद्यालय के समस्त छात्रों द्वारा प्रधान पाठक गफ्फार खान को

पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत कर आशीर्वाद लिए। उपस्थित पालकों ने भी शिक्षको का स्वागत किए। तत्पश्चात प्रधान पाठक गफ्फार खान ने शिक्षक दिवस समारोह के संबोधन में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवनी के बारे में प्रकाश डालते हुए गुरु के महत्ता के बारे में कबीर दास जी के दोहे सुनाए।

जिसे सुनकर बच्चे प्रसन्न हो गए। इसके बाद बच्चो द्वारा गीत कविता प्रस्तुत की गई। छात्रों ने शिक्षकों को उपहार में कलम,भेंट किये ।

कार्यक्रम में सरपंच महोदया नोनी बाई, पंच महोदया मीनाबाई,एस एम सी अध्यक्ष नेहरूलाल , रत्थुराम,कायतराम, मोहरसाय, भीष्मदेव ,गणेशराम, मंगमोती, मायावती, फूलबाई, ओमबाई आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम से जिला शिक्षा अधिकारी विजय लहरे, बसना विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक बद्री विशाल जोल्हे, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर सिंह कंवर , जमदरहा नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी, जमदरहा संकुल समन्वयक डीजेंद्र कुर्रे, बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने हर्ष व्यक्त किए हैं। प्रधान पाठक गफ्फार खान ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अंत में मिठाई वितरण कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

पदभार ग्रहण समारोह: मंत्री राजेश अग्रवाल और गुरु खुशवंत सिंह को विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने दी शुभकामनाएँ

- डॉ संपत अग्रवाल ने कहा–राज्य की सांस्कृतिक विरासत और युवा कौशल को मिलेगा नया आयाम

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर स्थित महानदी मंत्रालय भवन में बुधवार को एक गरिमामयी समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति विभाग के नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री एवं अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री एवं आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने क्रमशः कक्ष क्रमांक स्4-26 एवं रू-01 में अपना पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर बसना विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने समारोह में भाग लेकर दोनों मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और उनके यशस्वी कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने कहा कि मंत्री राजेश अग्रवाल का प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगा। पर्यटन के क्षेत्र में उनकी दूरदृष्टि राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित करेगी।

वहीं मंत्री गुरु खुशवंत साहेब उनकी सामाजिक समझ और तकनीकी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर रोजगार के नए द्वार खोलेगी। अनुसूचित जाति विकास विभाग में उनका नेतृत्व समावेशी विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

राजनीति विज्ञान परिषद का गठन

दुर्ग .(समय दर्शन)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में राजनीती विज्ञान परिषद का गठन किया गया ।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस. एन. झा ने परिषद के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और कहा कि परिषद एक ऐसा मंच है जहाँ विद्यार्थी स्वयं को बेहतर बनाने के साथ-साथ नेतृत्व गुणों का विकास करते हैं । परिषद के पदाधिकारी न केवल अपनी बल्कि अपने साथियों की समस्याओं को भी सुनते हैं और उनके समाधान का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अमृतेश शुक्ला ने परिषद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर समझने का अवसर प्रदान करती है। वोटिंग प्रक्रिया, जागरूकता तथा पदाधिकारियों की जवाबदेहिता को विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर पाते हैं। साथ ही, इस कार्यक्रम में अर्थशास्त्र के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.ए.के. खान ने परिषद के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी और अपने जिम्मेदारियों को निष्ठा पूर्वक

करने की सलाह दी । राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष तरुण साहू ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक समाजीकरण की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो विद्यार्थियों को नैतिक कौशल, व्यवहारिक ज्ञान और नवाचार का अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष सुशील मिश्रा (एम.ए. तृतीय वर्ष), उपाध्यक्ष पार्वती सोनी (एम.ए. प्रथम वर्ष), सचिव दिग्विजय यादव (एम.ए. तृतीय वर्ष), एवं सहसचिव प्रीति महिलांगे(एम.ए. प्रथम वर्ष) और कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों में कामेश्वर(एम.ए. तृतीय वर्ष), निमिष देवांगन(एम.ए. प्रथम वर्ष),, हरीश कुमार साहू(एम.ए. तृतीय वर्ष) और प्रमोद देवांगन (एम.ए. तृतीय वर्ष) के रूप में मनोनयन किया गया । इस कार्यक्रम में अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. के पद्मावती भी उपस्थित थी । तथा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए राजनीति विज्ञान के अतिथि प्राध्यापक राखी भारती, शाहबाज़ अली और अमित सिंह का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि गौर द्वारा किया गया तथा समापन अवसर पर डॉ. राजेश्वरी जोशी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के लगभग 100 विद्यार्थी, प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि प्राध्यापक एवं महाविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

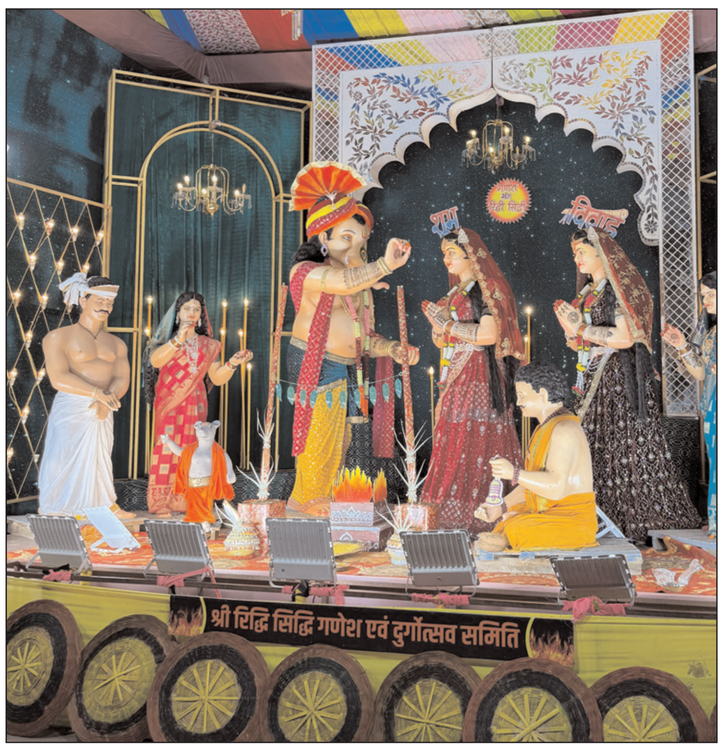

रायपुर ।श्री रिद्धि सिद्धि गणेश एवं दुर्गोत्सव समिती,रामनगर रायपुर की गणेश प्रतिमा,आकर्षक झांकी और भव्य पंडाल श्रद्धालुओं में आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समिति के सदस्य,तोरण साहू,धनेश साहू,पप्पू साहू, राजकुमार, पप्पू, बब्लू,छोटू, आशीष साहू सहित मोहल्लेवासी भी चाक चौबंद व्यवस्था में लगे हुए है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26